आज का सुविचार

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं।
-कौटिल्य अर्थशास्त्र

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

| आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM |

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-274 भोपाल, शुक्रवार 13 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग
श्रावण कृष्ण पक्ष
नवमी, गुरुवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:55/6:56
वर्षा/बादल %	07 %
नमी %	78 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	31°/22°

स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तौला
₹ 48,135

शेयर सूचकांक

बीएसई	54843.98	+318.08
निफ्टी	16364.40	+82.15

हरियाली सूचकांक
green DONOR FORCE
भारत 22%
म.प्र. 32%
माँ प्रकृति की सेवा को भी समय दें

नाग पंचमी को पहली बार चांदी के पालने में झूलेंगे अयोध्या के 'रामलला'

अयोध्या। मणि पर्वत मेले के साथ रामनगरी अयोध्या में सावन मेला शुरू हो गया। मेले से संबंधित सभी तैयारियों को प्रशासन ने पूरा भी किया है। लेकिन कोविड प्रोटोकॉल के कारण श्रद्धालुओं के अयोध्या आने पर पाबंदी लगा दी गई है। वहीं दूसरी तरफ पहली बार रामलला चांदी के झूले में झूलेंगे। इसकी व्यवस्था श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने की है। पुजारी संतोष तिवारी के मुताबिक अभी तक रामलला को लकड़ी के छोटे झूले में झुलाया जाता रहा है। इस बार चांदी का झूला अस्थाई मंदिर में पहुंच चुका है, जिसका विधिवत पूजन किया गया है। अब नागपंचमी यानी शुक्रवार के दिन से रामलला को चांदी के पालने में झूलाकर महोत्सव मनाया जाएगा। 5 फुट ऊंचा 21 किलो चांदी के झूले में सावन मास की पंचमी तिथि से रामलला के झूलन उत्सव शुरू हो जाएगा।

सांसदों और मार्शलों के बीच धक्का-मुक्की का वीडियो सामने आया; सरकार ने कहा-

विपक्ष का रवैया धमकाने जैसा था, माफी मांगें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में बुधवार को हुए हंगामे और धक्का-मुक्की का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। राहुल गांधी सहित 15 विपक्षी नेताओं ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया, तो केंद्र सरकार के 8 मंत्रियों ने 48 मिनट तक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और आरोपों का जवाब दिया। अब उस घटना का वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमला कर रहा है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्रियों ने गुरुवार दोपहर प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष ने काम में रुकावट डालने का काम किया और इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। विपक्ष घड़ियाली आंसू न बहाए।

मोटी रूल बुक चेयर की तरफ फेंकी : पीयूष गोयल

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पूरा सत्ता पक्ष चाहता है कि सदन चले, लेकिन विपक्ष के नेता मंत्री के हाथ से जवाब छीन रहे हैं। माफी की बात कही गई तो साफ कह दिया कि माफी नहीं मांगेंगे। चैंबर में जबरदस्ती घुसने की कोशिश की। इस दौरान महिला मार्शल को चोट लगना दुखद है। हमने इस पर एक्शन की मांग की है। मोटी रूल बुक चेयर की तरफ फेंकी गई।

सांसदों को परिचय देने का मौका नहीं दिया- प्रहलाद जोशी:- संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि जो संसद में हुआ, वो शर्मसार करने वाला था। हमने कई बार विपक्ष से बात की। पहले दिन ही हमने उनसे निवेदन किया था कि शुरुआत के दिन मंत्रियों के परिचय का मौका दे दीजिए। ये भी नहीं हुआ। चेयरमैन और स्पीकर के सामने इन्होंने जो भी मांगें रखीं, वो मान ली गईं।

विपक्ष के आरोप...

कांग्रेस: राहुल गांधी ने कहा- हमने पेगासस का मुद्दा उठाया। हमें संसद में नहीं बोलने दिया गया। राज्यसभा में पहली बार सांसदों की पिटाई की गई।
राकांपा: प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि उन्होंने अपने संसदीय जीवन में इस तरह की शर्मनाक घटना कभी नहीं देखी।
सपा: विशंभर निषाद ने कहा कि हमारी महिला सांसदों से धक्का-मुक्की की गई।
राजद: मनोज झा ने कहा कि इंश्योरेंस बिल संसद ने नहीं पास किया, मार्शल लॉ ने पास किया है।
DMK: संसद की ऐसी तस्वीर कभी नहीं देखी। हमारी महिला सांसदों को घसीटा गया।
बुधवार को सदन में हुई धक्का-मुक्की के विरोध में विपक्षी नेताओं ने गुरुवार को मार्च निकाला। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि उन पर सदन में मार्शलों से हमला करवाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब सदन में सांसदों की पिटाई हुई है। वहीं, छ्ब्ब्य ने कहा कि हमारी महिला सांसदों के साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की गई।

एक ईमेल ने करवाई प्रधानमंत्री से मुलाकात

10 साल की अनीशा से मिले प्रधानमंत्री मोदी; बच्ची ने पूछा- आप राष्ट्रपति कब बनेंगे, इस पर अपनी हंसी नहीं रोक पाए

मुंबई। महाराष्ट्र में रहने वाली 10 साल की अनीशा पाटिल बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली। अनीशा ने मेल कर उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर प्रधानमंत्री मोदी का बुलावा आ गया। अनीशा के पास प्रधानमंत्री के लिए कई सवाल थे। उन्होंने सभी सवालों के जवाब भी दिए। बात-बात में बच्ची ने पूछ लिया कि आप राष्ट्रपति कब बनेंगे। यह सवाल सुनकर प्रधानमंत्री अपनी हंसी नहीं रोक पाए। अहमदनगर की अनीशा किसी सामान्य परिवार से नहीं है। उसके पिता डॉ. सुजय विखे पाटिल सांसद हैं। दादा राधाकृष्ण विखे पाटिल भी महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रहे हैं और कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए हैं। अनीशा पिछले कई महीने से प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना चाह रही थी। पेरेंट्स उसे समझाते रहे कि क्क्रूका शेड्यूल काफी बिजी होता है और वे शायद मिलने का समय न दे सकें।

स्टडी से दुनिया की चिंता बढ़ी

कोरोना का जोखिम बड़ों से छोटे बच्चों में शिफ्ट होने का खतरा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
ओस्लो दुनिया में कहर बरपा रहे कोरोना वायरस का जोखिम बड़ों से बच्चों में शिफ्ट होने का खतरा है। गुरुवार को प्रकाशित एक मॉडलिंग अध्ययन के अनुसार, कोरोना वायरस अगले कुछ वर्षों में अन्य सामान्य जुकाम वाले कोरोना वायरसों की तरह व्यवहार कर सकता है। यह वायरस ज्यादातर छोटे बच्चों को प्रभावित करेगा, जिन्हें अभी तक टीका नहीं लगाया गया है। इस स्टडी में शामिल यूएस-नॉर्वेजियन टीम ने देखा कि चूंकि COVID-19 की गंभीरता आमतौर पर बच्चों में कम होती है, इसलिए इस बीमारी से खतरा कम होने की उम्मीद है।

इस वायरस के नए-नए वैरियंट सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन करने वाले देशों में संक्रमण की रफ्तार को तेज कर रहे हैं। इस बीच अमेरिका की लोक स्वास्थ्य एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अगले चार हफ्तों में देश में कोविड-19 के मरीजों के अस्पतालों में भर्ती होने और उनकी मौतें होने की संख्या में खासी वृद्धि हो सकती है।

तालिबान के चंगुल से निकली पत्रकार की आपबीती

तालिबानी अपने कब्जे वाले इलाके में आतंकियों से लड़कियों की जबरन शादी करा रहे, कई युवतियां घर छोड़कर भागीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल
अफगानिस्तान में महिलाओं पर तालिबान की क्रूरता की कहानियां सामने आ रही हैं। 'द गार्जियन' ऐसी ही एक 22 वर्षीय महिला पत्रकार की आपबीती सामने लाया है। यह पत्रकार कहती हैं, 'तालिबान ने उत्तर अफगानिस्तान में मेरे शहर पर कब्जा कर लिया था। इस घटना के दो दिन बाद मुझे घर छोड़कर भागना पड़ा। मैं अब भी अपने शहर से दूर सुरक्षित जगह की तलाश में हूं। पिछले हफ्ते तक मैं रिपोर्टर थी। अब मैं अपने नाम से नहीं लिख सकती। कुछ ही दिन में मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मैं डरी हुई हूं। नहीं जानती घर लौटूंगी या

नहीं। माता-पिता को फिर देख सकूंगी या नहीं। सभी रास्ते बंद हैं। मेरे पूरे प्रांत पर तालिबान का कब्जा हो चुका है।' पत्रकार आगे बताती हैं, 'तालिबान जबरन अफगानी लड़कियों की शादी अपने आतंकियों से करा रहे हैं। मैं भी सुरक्षित नहीं हूं। मेरे लिए प्रार्थना करें। तालिबान मेरी और मेरे सहयोगियों की तलाश करते हुए हमारे पास पहुंच जाएगा। मेरे मैनेजर ने फोन पर मुझसे कहा था कि किसी भी अंजान नंबर से आए कॉल तो जवाब मत देना। कहीं छिप जाओ। मैं जब घर से भागने के लिए सामान बांध रही थी, तब मुझे गोलीबारी और रॉकेट की आवाज सुनाई दे रही थी। विमान और हेलिकॉप्टर हमारे सिर के ऊपर से उड़ रहे थे। घर के बाहर सड़कों पर मारपीट हो रही थी। मेरे चाचा ने मुझे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की पेशकश की। इसलिए मैं फोन और बुर्का लेकर वहां से निकल आई।'

वैक्सीनेशन से छूटे लोगों को घर-घर जाकर ढूंढेंग

भोपाल शहर के 3 लाख को एक भी डोज नहीं लगा; 7 दिन में इन्हें तलाशने के लिए 1800 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का जिम्मा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल
राजधानी भोपाल में वैक्सीनेशन अभियान की रफ्तार तेज करने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने नई रणनीति बनाई है। अब राजधानी के 3 लाख पहला डोज नहीं लगाने वाले नागरिकों की घर-घर जाकर जानकारी जुटाई जाएगी। इसका वार्ड अनुसार डेटा तैयार करने के बाद नॉन वैक्सीनेटेड लोगों को अगले 15 दिनों में वैक्सीन लगाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के 1800 आंगनवाड़ी केन्द्रों की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मदद ली जा रही है। भोपाल कलेक्टर अविनाश लवानिया के निर्देश पर गुरुवार से घर-घर सर्वे

करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। भोपाल में वैक्सीन लगाने का टॉरगेट आबादी करीब 19 लाख 30 हजार के करीब है। इसमें से पहला डोज 16 लाख 5 हजार 291 को पहला डोज लग गया है। वहीं, दूसरा डोज 4 लाख 47 हजार 301 ने लगवाया है। अभी भोपाल में दूसरा डोज लगाने वालों की पेंडेंसी करीब 60 हजार के आसपास है।

भोपाल में कुल 20 लाख 52 हजार 552 लोगों को पहला और दूसरा डोज लगा है। इसमें 11 लाख 34 हजार 570 पुरुष और 9 लाख 17 हजार 572 महिलाएं शामिल है। इसके अलावा अन्य 450 को वैक्सीन लगी है। जिसमें 17 लाख 98 हजार 114 लोगों को कोवीशील्ड और 2 लाख 53 हजार 627 लोगों को कोवक्सीन और 851 लोगों को स्पूतनिक वैक्सीन लगी है। वहीं, 18 से 44 उम्र के 11 लाख 60 हजार 66, 45 से 60 उम्र के 5 लाख 71 हजार 459 और 60 वर्ष की उम्र के 3 लाख 61 हजार 67 को वैक्सीन लगी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पिछले दिनों से लोग वैक्सीन लगाने को लेकर कतरा रहे है।

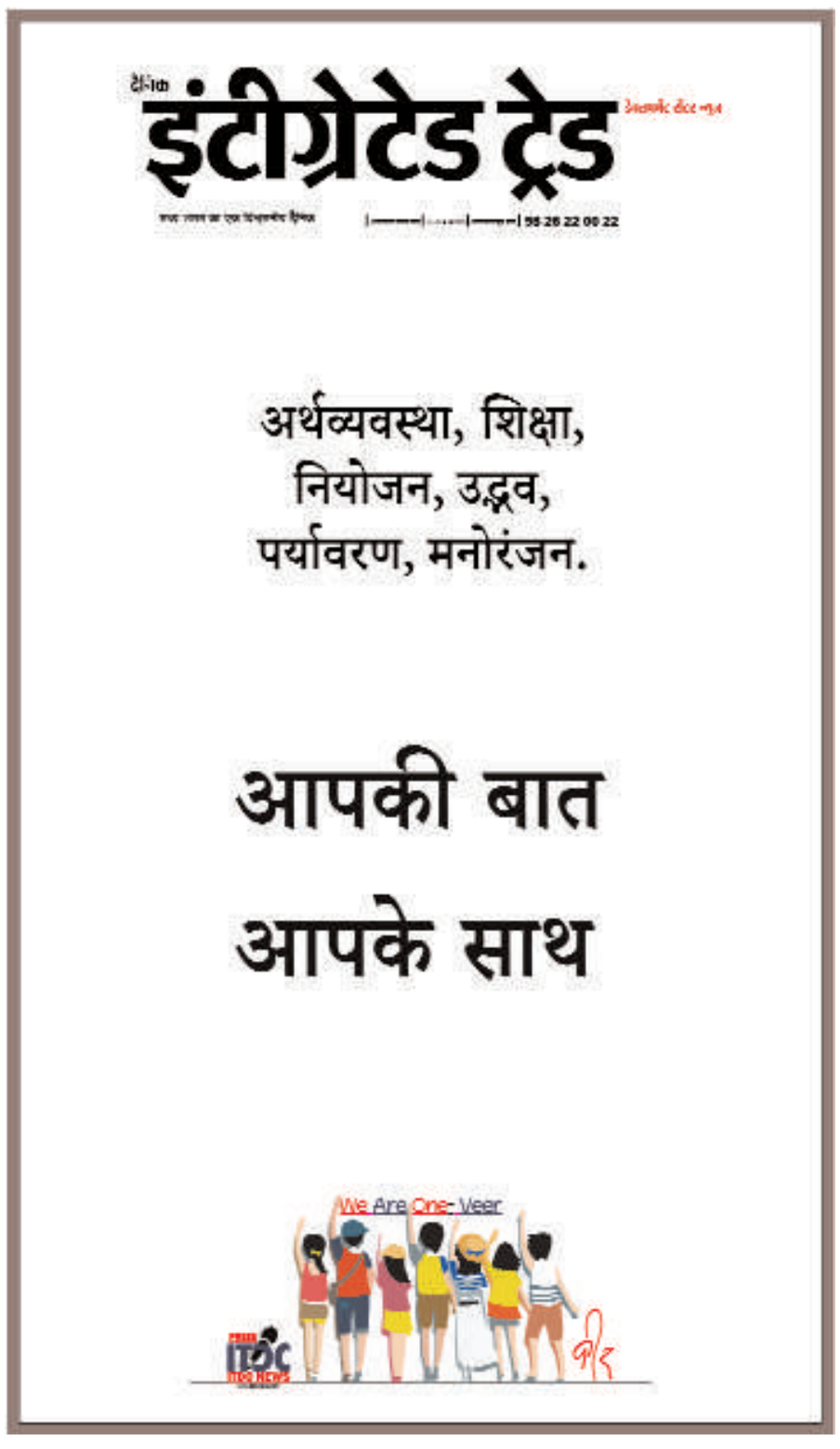

मानसून : इंदौर और भोपाल समेत प्रदेशभर में अगले 5 दिन खिलेगी धूप, 15 अगस्त तक शाम के समय बूंदाबांदी की संभावना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल
मध्यप्रदेश में मानसून ने फिर ब्रेक ले लिया है। जुलाई के बाद यह दूसरी बार है, जब मानसूनी एक्टिविटी रुकी है। मौसम वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया कि सिस्टम के हिमालय के तराई के इलाकों में जाने के कारण भोपाल और इंदौर समेत पूरे मध्यप्रदेश में बारिश का दौर अभी थम गया है। अगले चार-पांच दिन तक इसी तरह धूप निकलेगी और शाम और रात में हल्की बारिश होगी। इस बार मानूसन के उत्तर की तरफ जाने से इंदौर में कम बारिश हुई, जबकि ग्वालियर-चंबल में जमकर पानी गिरा। भोपाल में भी इस बार तेज बारिश नहीं हुई, लेकिन

रिमझिम फुहारों ने बारिश का कोटा पूरा कर दिया।

15 अगस्त के बाद दूसरा सिस्टम बनने की उम्मीद:- वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया कि फिलहाल मौसम साफ हो चुका है और अभी कोई भी एक्टिव सिस्टम नहीं बन रहा है। ऐसे में आसमान साफ तो रहेगा, लेकिन हल्की बूंदाबांदी और धूप-छांव होती रहेगी। इस बार 15 अगस्त के दिन सिर्फ हल्की-फुल्की बारिश हो सकती है, कहीं तेज बारिश की संभावना अभी तक नहीं है। अगला सिस्टम 15 अगस्त के बाद ही बनने की उम्मीद है। यह बंगाल की खाड़ी की तरफ से ही हो सकता है, क्योंकि सितंबर में अधिकांश सिस्टम बंगाल की खाड़ी में ही बनते हैं।

इंदौर में महीने के अंत तक अच्छी बारिश की संभावना

साहा ने बताया कि इस बार सिस्टम के उत्तर की तरफ रहने के कारण इंदौर में अच्छी बारिश नहीं हो सकी है। इस कारण बारिश के कोटे से करीब 20 फीसदी कम हुई है। इंदौर में अब तक करीब 16 इंच बारिश हुई है, जबकि 20 इंच होनी चाहिए थी। यह सामान्य से 4 इंच कम है। अब अगस्त के अंत तक अगर मानसूनी गतिविधियां नीचे रहती है, तो फिर इंदौर में भी अच्छी बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार भोपाल में अब तक करीब 26 इंच बारिश हो चुकी है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

मुख्यमंत्री ने किया नसरुल्लागंज में नई स्वास्थ्य सुविधाओं का ई-लोकार्पण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नसरुल्लागंज के सीहोर जिले के 50 बिस्तर क्षमता के अस्पताल को 100 बिस्तर क्षमता के अस्पताल में अपग्रेड किया जाएगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश के छोटे नगरों और कस्बों में बड़े नगरों की तरह आवश्यक सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज नसरुल्लागंज सिविल अस्पताल में 1 करोड़ 40 लाख की लागत से स्थापित ऑक्सीजन प्लांट और 80 लाख की लागत से बनाई गई पेथॉलॉजी का ई-लोकार्पण कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर सिविल अस्पताल में 10 बेड के आईसीयू और मेटरनिटी विंग के लिए भूमि-पूजन भी किया। लोकार्पित कार्यों की लागत 2 करोड़ 20 लाख और भूमि-पूजन के कार्यों की लागत 12.13 करोड़ रूपये है। इस तरह कुल 14.33 करोड़ के कार्यों की सौगात नसरुल्लागंज वासियों को प्राप्त हुई है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य

मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी और सांसद श्री रमाकांत भार्गव भी वर्चुअली सम्मलित हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रथम सुख निरोगी काया ही होता है। प्रत्येक व्यक्ति का प्रयास होना चाहिए कि वह अस्वस्थ न हो। यदि अस्वस्थ हो भी जाए तो समय पर उपचार की सुविधा मिल जाना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार ने कोरोना काल में दूसरी लहर के समय ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए भरसक प्रयास किए। जहाँ उपचार की व्यवस्था अपर्याप्त थी, वहाँ अस्थायी अस्पताल भी प्रारंभ किए गए। रोगियों को इलाज सहित अन्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाई गईं। नसरुल्लागंज में 300 लीटर क्षमता के ऑक्सीजन संयंत्र की व्यवस्था हो जाने से स्थानीय रोगियों को होशंगाबाद और भोपाल जाने की विवशता से मुक्ति मिलेगी। छोटी-मोटी जाँचों के लिए भी बाहर जाना होता था।

अब लेब शुरु हो जाने से यह कार्य भी नसरुल्लागंज में हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सिविल अस्पताल में विकसित सुविधाओं का लाभ आसपास के क्षेत्र के लोगों को भी प्राप्त होगा। प्रसव सुविधा के साथ ही ऑपरेशन की स्थिति में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता भी होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि बुधनी शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन की स्थिति में आ गया है। ऐसा ही कार्य नसरुल्लागंज में होना चाहिए। कोरोना की नई लहर की आशंका को समाप्त करने में इससे सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आमजन से कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करने का अनुरोध भी किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि मध्यप्रदेश का कोरोना कंट्रोल मॉडल पूरे देश में प्रशंसित हुआ है। दूसरी लहर के समय मुख्यमंत्री श्री चौहान ने देश के अन्य हिस्सों से लिक्विड ऑक्सीजन बुलवाकर नेतृत्व क्षमता प्रमाणित की। आज मध्यप्रदेश 2020 के प्रारंभ में शून्य प्लांट की स्थिति से 179 ऑक्सीजन प्लांट की स्थिति में आ गया है। विभिन्न मदों से व्यवस्था कर संयंत्रों को प्रारंभ करने का अभियान चल रहा है। विदिशा-रायसेन संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री रमाकांत भार्गव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

2 भोपाल के लाल परेड मैदान में 15 अगस्त की परेड की तैयारी।

न्यूज ब्रीफ

स्वतंत्रता आंदोलन 1857-1947 अभिलेख प्रदर्शनी 13 अगस्त से

भोपाल। संचालनालय पुरातात्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा भोपाल की श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय में 13 से 20 अगस्त 2021 तक %स्वतंत्रता आंदोलन 1857-1947% पर दुर्लभ अभिलेखों एवं छायाचित्रों की प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी। प्रमुख सचिव संस्कृति, पर्यटन एवं जनसम्पर्क श्री शिवशेखर शुक्ला 13 अगस्त को दोपहर 12 बजे प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। प्रदर्शनी में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन, असहयोग आंदोलन (1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) और भारत छोड़ो आंदोलन (1942) से संबंधित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अभिलेख और छायाचित्र प्रदर्शित किये जायेंगे। आम जनता के लिये यह प्रदर्शनी 13 से 20 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

पर्यावरण मंत्री श्री डंग द्वारा निःशुल्क मिट्टी गणेश प्रतिमा प्रशिक्षण के निर्देश

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) को आगामी गणेश चतुर्थी के लिये लोगों को सितंबर के प्रथम सप्ताह में मिट्टी से गणेश मूर्ति का निःशुल्क प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये हैं। श्री डंग ने कहा कि पीओपी से बनी और रासायनिक रंगों से रंगी मूर्तियों के विसर्जन से नदी-तालाबों का जल विषाक्त होता है। हमारी संस्कृति में माटी गणेश पूजन की परंपरा है, जो तत्काल पानी में घुल जाती है और पर्यावरण को तनिक भी नुकसान नहीं पहुँचता है। श्री डंग ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मिट्टी, गोबर, सुपारी आदि से गणेश का प्रतीक बनाकर पूजने की परंपरा रही है। मंगल कलश में बनने वाले स्वास्तिक को भी गणेश ही माना जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बच्चों को मिट्टी की प्रतिमा बनाना सिखाने के साथ पीओपी के दुष्परिणामों से भी अवगत करायें। इससे भविष्य में पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूकता का वातावरण रहेगा।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर के साथ रोपा नीम और कदम का पौधा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट पार्क में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर के साथ नीम और कदम के पौधे लगाए। खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया भी उपस्थित थीं। उन्होंने भी पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार हॉकी के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। हॉकी खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए हर संभव सहयोग करेगी। श्री विवेक सागर मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के चांदोन पिपरिया ग्राम के निवासी हैं। इनका परिवार इटारसी में रहता है, अपनी मेहनत के बलबूते इन्होंने भारतीय हॉकी टीम की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक मिला। यह सिर्फ पदक नहीं बल्कि हॉकी का पुनर्जागरण है। श्री विवेक सागर की उम्र अभी सिर्फ 21 वर्ष है। निश्चित ही वे एक दिन गोल्ड मेडल भी जीतेंगे। उन्हें बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया और उनकी टीम को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खेल विभाग ने हॉकी सहित अन्य खेलों के विकास के लिए अद्भुत और अनुकरणीय कार्य किया है। खेलों के उत्थान का कार्य निरंतर चलता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिला हॉकी खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथा स्थान अर्जित किया है। यह भी कम सम्मान की बात नहीं। भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 31-31 लाख की राशि सम्मान स्वरूप दी जाएगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी श्री विवेक सागर को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुख्यमंत्री निवास में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी श्री विवेक सागर को शाल और श्रीफल से सम्मानित किया। इस अवसर पर खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा श्री विवेक सागर पर मध्यप्रदेश को गर्व है। उन्होंने प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी को उनके प्रतिनिधित्व के साथ टोक्यो ओलंपिक में मिली विजय और भारतीय हॉकी टीम को कांस्य पदक मिलने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त की और श्री विवेक सागर को मिठाई भी खिलाई। इस अवसर पर राजधानी की युवा चित्रकार सुश्री स्मृति श्रीवास्तव ने प्रतिभावान अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर की बनाई तस्वीर मुख्यमंत्री श्री चौहान और श्री विवेक सागर को भेंट की।

पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने मंत्रालय में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला म.प्र. पहला राज्य : उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में उल्लेखनीय वृद्धि, इस वर्ष उठाए जाएंगे कई कदम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जाएगी। अभी स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के लिये नीति के प्रावधानों को लागू किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विभाग द्वारा बनाई टास्क फोर्स ने अन्य राज्यों की उच्च शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन किया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की कार्य योजना बनाई। डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा को अधिक जॉब ओरिएंटेड बनाने के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। इस वर्ष महाविद्यालयों में 177 डिप्लोमा एवं 282 सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। 79 विषयों के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम तैयार किये गए हैं, जिसमें विद्यार्थियों को वैकल्पिक विषय चुनने का अवसर दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप एक साल में सर्टिफिकेट, दो साल में डिप्लोमा एवं तीन साल में डिग्री सहित %मल्टीपल एंट्री, मल्टीपल एग्जिट सिस्टम और चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) भी लागू किया जा रहा है। इस वर्ष आधार पाठयक्रम में योग एवं ध्यान के पाठ्यक्रम भी जोड़े गए हैं। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव पत्रकारों से आज प्रदेश में सकल नामांकन अनुपात एवं विभागीय गतिविधियों के संबंध में संवाद कर रहे थे।

जीईआर में लगातार उल्लेखनीय वृद्धिः - मध्यप्रदेश में पिछले 5 वर्षों में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में लगातार उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (एआईएसएचई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में पिछले 5 वर्षों में जीईआर में साढ़े चार प्रतिशत से अधिक वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। वर्ष 2015-16 में जीईआर 19.6 था, जो 2019-20 में 24.2 पर पहुँच गया है। वर्ष 2019-20 में 5.36 लाख विद्यार्थियों ने स्नातक प्रथम वर्ष और स्नातकोतर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लिया था। इसके बाद पिछले वर्ष 20-21 में 5.64 लाख विद्यार्थियों ने इन कक्षाओं में प्रवेश लिया। इस वर्ष उम्मीद है कि यह रिकॉर्ड भी नया बनेगा। डॉ. यादव ने कहा कि म.प्र. अभी भी राष्ट्रीय औसत जीईआर (27.1) से थोड़ा पीछे है. लेकिन इस वर्ष आशा है कि हम इस अंतर को समाप्त करने में सफल होंगे। उच्च शिक्षा में आगामी सत्र से जीईआर बढ़ाने को लेकर कई कदम उठाए जा रहे हैं।

वर्ष 2020-21 में 12वीं कक्षा में म.प्र.

न्यूज ब्रीफ

नोवावैक्स टीके को मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली। अमेरिका की एक प्रमुख कंपनी नोवावैक्स के कोविड टीके को अपने देश से पहले ही भारत में मंजूरी मिल सकती है। नोवावैक्स और उसकी साझेदार कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने 5 अगस्त को भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) और इंडोनेशिया तथा फिलीपींस में नियामक संस्था के पास आपातकालीन इस्तेमाल के लिए आवेदन किया है। भारत ने कहा है कि किसी भी टीके को जिसे यूएस फूड ऐंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) और ब्रिटेन में दवा एवं स्वास्थ्य सेवा उत्पाद नियामक एजेंसी (एमएचआरए) जैसी नियामक संस्थाओं से मंजूरी मिली है उसके भारत में इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी जाएगी। नोवावैक्स के प्रोटीन नैनो-पार्टिकल वाले दो खुराक वाले कोविड टीके को अभी अमेरिका या ब्रिटेन में मंजूरी नहीं मिली है। इससे भारत में इसकी मंजूरी की समय-सीमा को लेकर चिंता बढ़ी है। हालांकि, एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया, %भारतीय नियामक तीसरे चरण के परीक्षणों के वैश्विक आंकड़ों की समीक्षा कर सकता है। साथ ही भारत में 1,600 वॉलंटियर के परीक्षण डेटा को मंजूरी देने पर विचार कर सकता है। अमेरिका में इसे मंजूरी दी जाती है या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भारतीय नियामक स्वतंत्र समीक्षा कर सकता है।

कमजोर मांग से सोयाबीन वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग को देखते हुए कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को सोयाबीन की कीमत 270 रुपये की हानि के साथ एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 270 रुपये अथवा 2.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,980 रुपये प्रति क्विन्टल रह गई जिसमें 5,380 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा सौदों की कटान करने से मुख्यत- सोयाबीन वायदा कीमतों में गिरावट आई।

खत्म हो जाएंगे टोल प्लाजा:तीन महीने में आएगी जीपीएस से टोल कलेक्शन वाली पॉलिसी, एक साल में लागू हो जाएगी नई व्यवस्था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वह समय जल्द आएगा, जब आपको हाईवे पर एक भी टोल प्लाजा नहीं दिखेंगे। सरकार टोल वसूली के लिए प्लाजा की जगह जीपीएस ट्रैकिंग वाला सिस्टम लागू करेगी। इसके लिए वह अगले तीन महीने में नई पॉलिसी लाएगी। यह बात सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज प्रमुख उद्योग चैंबर CII के एक कार्यक्रम में कही।

एक साल में लागू हो जाएगा जीपीएस टोल कलेक्शन सिस्टम:- गडकरी ने आज CII के सालाना सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश में फिलहाल जीपीएस के जरिए टोल वसूली वाली टेक्नोलॉजी नहीं है। सरकार फिलहाल ऐसी टेक्नोलॉजी डेवलप करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इसी साल मार्च में कहा था कि सरकार जल्द ही टोल बूथ खत्म कर देगी। एक साल में उसकी जगह पूरी तरह जीपीएस से चलने वाला टोल कलेक्शन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा।

सड़क बनानेवाली कंपनियां घटाएं सीमेंट-स्टील का इस्तेमाल:- सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री ने सड़कों के निर्माण में लगी कंपनियों से लागत को सीमित रखने के लिए सीमेंट

और स्टील का इस्तेमाल घटाने की अपील की। उन्होंने इन दोनों सामान की लागत और मात्रा घटाने के लिए कंसल्टेंटों से नए विचारों के साथ सामने आने की अपील की है। उन्होंने घरेलू स्टील और कंपनियों पर गोलबंदी करने का आरोप भी लगाया है।

गाड़ियों पर लगी जीपीएस इमेजिंग से वसूला जाने लगेगा टोल

उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा था, मैं सदन को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि एक साल के भीतर सभी टोल बूथ हटा लिए जाएंगे। टोल कलेक्शन जीपीएस के जरिए होने लगेगा, यानी टोल की रकम गाड़ियों पर लगी जीपीएस इमेजिंग के हिसाब से वसूल की जाने लगेगी।

पुरानी गाड़ियों को भी जीपीएस से लैस करने की कोशिश होगी:- दिसंबर 2020 में गडकरी ने कहा था कि जीपीएस आधारित नया सिस्टम रूसी विशेषज्ञता वाला होगा। इस सिस्टम में गाड़ी जितनी दूरी चलेगी, उसके हिसाब से गाड़ी वाले के एकाउंट या ई-वॉलेट से टोल काट लिया जाएगा। गडकरी ने कहा था कि आजकल की पैसेंजर और कमर्शियल गाड़ियां ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ आ रही हैं, इसलिए सरकार पुरानी गाड़ियों को भी जीपीएस से लैस करने की कोशिश करेगी। देश में फिलहाल ख्नस्ञ्जड्डद्द वाला इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम लागू है। इसको नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ऑपरेट करती है।

क्रिप्टोकरंसी की सबसे बड़ी चोरी

निवेशकों को 4,545 करोड़ का नुकसान; साइबर अटैक झेलने वाले प्लेटफॉर्म ने चोरों का पता लगाया

करंसी लौटाने को कहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

डिजिटल वर्ल्ड के चोरों यानी हैकर्स ने 60 करोड़ डॉलर (लगभग 4,545 करोड़ रुपए) से ज्यादा की इथीरियम और दूसरी क्रिप्टोकरंसी चुरा ली है। ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी बेस्ड प्लेटफॉर्म पॉली नेटवर्क ने मंगलवार को चोरी की जानकारी एक ट्वीट के जरिए दी। इस साल क्रिप्टोकरंसी में सेंधमारी की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन इतनी बड़ी चोरी पहली बार हुई है।

चोरी से हजारों इनवेस्टर्स को नुकसान

यह डीफाई यानी डीसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस की दुनिया में क्रिप्टोकरंसी की सबसे बड़ी चोरी है। पॉली नेटवर्क यूजर्स को क्रिप्टो टोकन के लेन-देन की सुविधा देने वाला प्लेटफॉर्म है। इसका कहना है करोड़ों डॉलर की क्रिप्टोकरंसी की इस चोरी में हजारों इन्वेस्टर्स को नुकसान हुआ है।

प्रभावित प्लेटफॉर्म ने बताए चोरों के पते

पॉली नेटवर्क ने मंगलवार की सुबह ट्वीट जारी कर कहा, हमें दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि #PolyNetwork पर साइबर अटैक हुआ था। उसने बताया कि सेंधमारी में क्रिप्टो इन्वेस्टर्स के करोड़ों डॉलर चोरी हुए हैं। जिन चोरों के पास चोरी की रकम ट्रांसफर हुई है, उनके पते भी उसने बताए हैं। उसने कहा, हम प्रभावित ब्लॉकचेन माइनर्स और क्रिप्टो एक्सचेंज से अपील करते हैं कि वे इन पते से आने वाले टोकन को ब्लैकलिस्ट कर दें। पॉली नेटवर्क नियो, ऑंटोलॉजी और स्विचको जैसे कई ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म को खड़ा करने वाली टीम के गठबंधन से बना है। उसने हैकर्स को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए क्रिप्टोकरंसी लौटाने के लिए कहा है।

सबसे ज्यादा इथीरियम टोकन चोरी हुए हैं

माना जा रहा है कि सेंधमारी में सबसे ज्यादा (रकम के) इथीरियम टोकन चोरी हुए हैं। बताया जाता है कि पॉलीगॉन नेटवर्क से 27.3 करोड़ डॉलर के इथीरियम, 25.3 करोड़ डॉलर के बाइनेंस स्मार्ट चेन (ब्क्स्ष्ट) और 8.5 करोड़ डॉलर के रु डॉलर कॉइन टोकन चोरी हुए हैं।

चोरी हुए 3.3 करोड़ के स्टेबलकॉइन तुरंत फ्रीज:- पॉली नेटवर्क के प्लेटफॉर्म पर हुई सेंधमारी में 3.3 करोड़ डॉलर के स्टेबलकॉइन टेथर भी चोरी हुए थे, लेकिन उनको तुरंत फ्रीज कर दिया गया था। इसका मतलब यह हुआ कि चोरी किए गए टोकन का इस्तेमाल हैकर नहीं कर पाएंगे। जिन क्रिप्टोकरंसी में बहुत कम उतार-चढ़ाव होता है, उनको स्टेबलकॉइन कहा जाता है। आमातौर पर इनका इस्तेमाल पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन के लिए होता है।

लॉकडाउन में ढील का असर हवाई यात्रा ने भरी 'उड़ान'

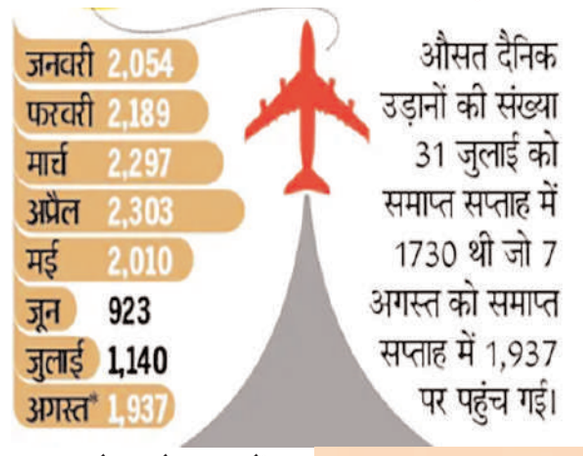

अगस्त के पहले सप्ताह में 36 फीसदी बढ़ी यात्री संख्या

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जुलाई के अंतिम सप्ताह की तुलना में अगस्त के पहले सप्ताह में देश में हवाई यात्रियों की संख्या 36 फीसदी बढ़ गई है। बढ़ोतरी की मुख्य वजह आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और कम किराया है। कई एयरलाइंस कम दामों पर एडवांस टिकट बुकिंग कर रही हैं। अन्य देशों में भी रिकवरी दिख रही है। पहली छमाही की गिरावट के बाद दुबई में यात्री और उड़ान संख्या बढ़ी है, लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर मार्च 2020 के बाद सबसे व्यस्ततम महीना दर्ज हुआ है।

जुलाई के अंतिम सप्ताह में प्रति उड़ान औसत यात्रियों की संख्या 90 थी, जो अगस्त के पहले सप्ताह में 30% बढ़कर 117 हो गई।

भीषण बाढ़ का परिणाम, चीन में कारों की कब्रगाह

झेंगझोऊ में करीब चार लाख गाड़ियों को नुकसान पहुंचा था | इनमें ज्यादातर कार हैं | बीमा कंपनियों और गाड़ी मालिकों के बीच विवाद सुलझाना चुनौती बना

» बाढ़ में 4 लाख गाड़ियां खराब, नीलामी के लिए लगी कतार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पिछले महीने यहां भीषण बाढ आई थी। अधिकारियों के मुताबिक इस बाढ़ में झेंगझोऊ में करीब चार लाख गाड़ियों को नुकसान पहुंचा था। ये झेंगझोऊ की कुल गाड़ियों का 10वां हिस्सा है। इनमें ज्यादातर कार हैं। कई क्षतिग्रस्त गाड़ियां को झेंगझोऊ के पार्किंग स्थल पर रखा गया है। प्रशासन इनकी नीलामी कर रहा है। कई गाड़ियों को अब भी नीलामी का इंतजार है। लोग इसे कारों की कब्रगाह कहने लगे हैं। इस बीच हजारों लोग मुआवजे के लिए बीमा कंपनियों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। अफसरों के लिए बीमा कंपनियों और गाड़ी मालिकों के बीच विवाद सुलझाना चुनौती बन गया है। कार डीलरों के वर्कशॉप के सामने भी सैकड़ों गाड़ियां खड़ी हैं। इन्हें भी मरम्मत का इंतजार है।

निवेशकों को भाया ऑप्शन कारोबार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस साल एक्सचेंज पर विकल्प खंड (ऑप्शन) में कारोबार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पीछे नए खुदरा ट्रेडरों के बाजार में आने, वायदा खंड में मार्जिन बढने, एल्गो ट्रेडरों की गतिविधियां बढने तथा साप्ताहिक सौदा निपटान चक्र जैसे विभिन्न कारकों का योगदान रहा। ऑप्शन खंड में कुल अनुंबधों की संख्या वित्त वर्ष 2022 में वायदा एवं विकल्प (एफऐंडओ) अनुबंधों का 97 फीसदी रही। इनमें से ज्यादातर कारोबार निफ्टी और बैंक निफ्टी सूचकांक के ऑप्शन तक केंद्रित है। पांच साल पहले यह आंकड़ा करीब 83 फीसदी था। बाजार के जानकारों का मानना है कि इस तरह की ट्रेडिंग पर अधिकांश पैसे अनुमानों पर लगाए जाते हैं और निफ्टी के किसी खास हफ्ते में चढने या उतरने पर दांव लगाया जाता है। 90 फीसदी से अधिक

खुदरा या छोटे ट्रेडर इसी तरह निवेश करते हैं और वे अपने पैसे गंवा रहे हैं, जो देश में दीर्घावधि की इक्विटी संस्कृति के लिए अनुकूल नहीं है। एमके ग्लोबल फाइनैंशियल सर्विसेज के रिटेल प्रमुख राहुल रेगे ने कहा, ऑप्शन ट्रेडिंग रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और इसमें आगे भी इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि कई सारे खुदरा निवेशक वायदा की तुलना में अब विकल्प (ऑप्शन) को पसंद कर रहे हैं।

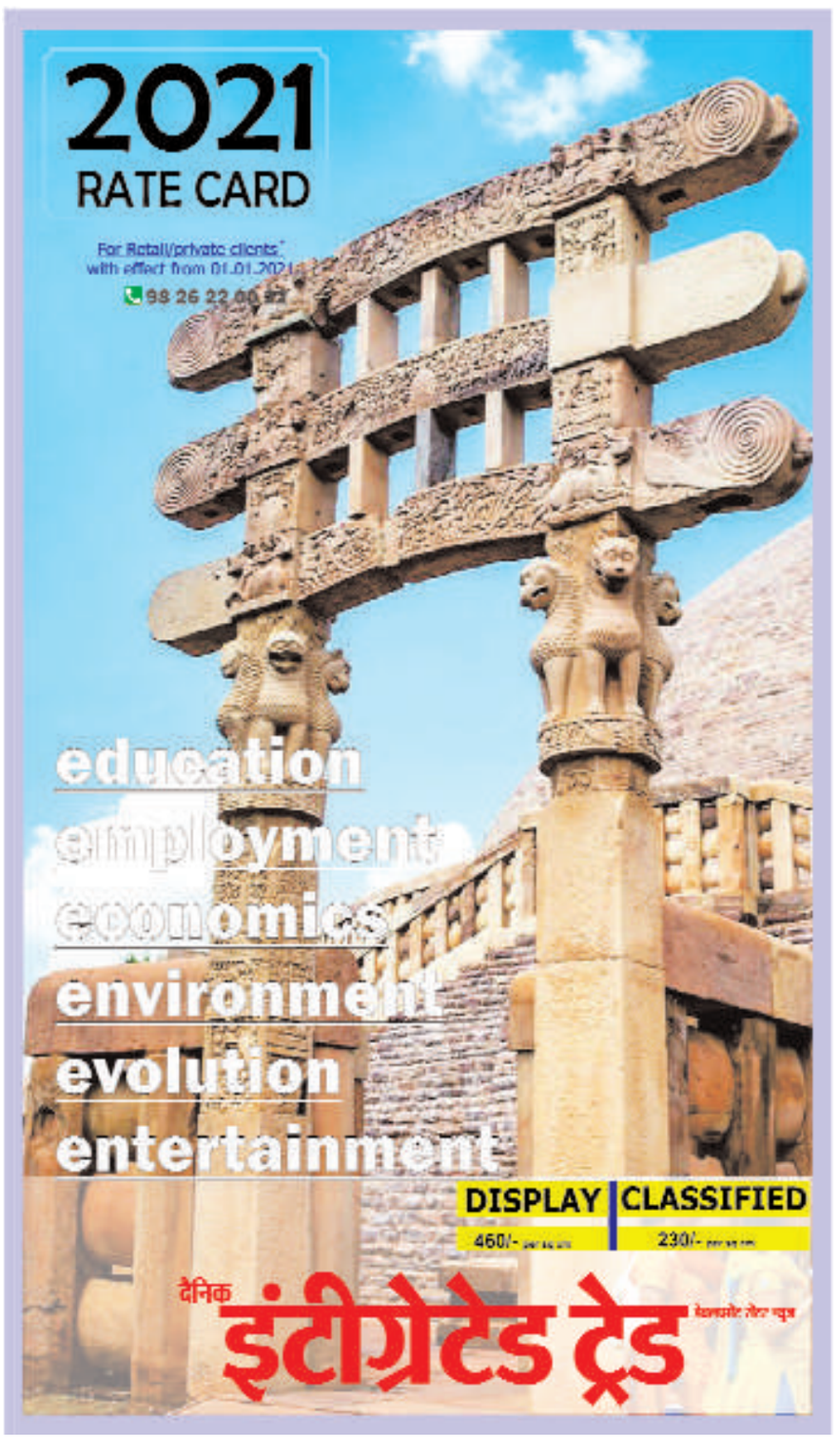

जोखिम उठाने आगे आएं उद्योग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि उनकी सरकार ने पिछली सरकारों की पुरानी मानसिकता को छोड़ते हुए आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों से इन सुधारों का लाभ उठाने के लिए आगे आने और जोखिम उठाने के प्रयास करने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि सरकार ने पिछली तिथि से कर लगाने की व्यवस्था को खत्म कर दिया है और कृषि के साथ ही श्रम सुधार के

भी उपाय कर रही है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सालाना सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, %हमने जो सुधार किए हैं वह आसान और साधारण नहीं हैं। इन सुधारों पर दशकों से बात हो रही थी। हर कोई इन बदलावों की जरूरत के बारे में बात करता था लेकिन निर्णय नहीं हो पा रहा था क्योंकि इनकी राह बहुत कठिन थी। लेकिन हमने इस दिशा में कदम उठाए और पूरी प्रतिबद्धता के साथ महामारी के दौरान भी सुधार की प्रक्रिया को जारी रखा।% उन्होंने कहा कि अतीत की गलतियों को सुधारते हुए सरकार ने पिछली तिथि से कराधान व्यवस्था को खत्म करने का निर्णय लिया, जिसे उद्योगों ने भी सराहा है। इस संबंध में मॉनसून सत्र में ही विधेयक पारित किया गया है। मोदी ने कहा, %मेरा मानना है कि सरकार और उद्योग के बीच भरोसा और मजबूत होगा। सरकार राष्ट्रहित में बड़े से बड़ा जोखिम उठाने के लिए तैयार है और अब उद्योग को भी जोखिम लेने की प्रवृत्ति दिखानी चाहिए। निवेशक पिछली सरकारों की कराधान नीति से भयभीत थे लेकिन अब देश में कॉर्पोरेट कर की दरें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हैं और कर व्यवस्था में मानवीय हस्तक्षेप भी नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उद्योग के प्रयास से अर्थव्यवस्था जोर पकड़ रही है।

तस्करी का सामान नहीं भावी पीढ़ी

-कैलाश सत्यार्थी

सीमा (बदला हुआ नाम) को महज 13 साल की उम्र में उनके गांव के कुछ लोगों द्वारा चुराकर दिल्ली की एक प्लेसमेंट एजेंसी में बेच दिया गया था। फिर प्लेसमेंट एजेंसी से एक दंपति ने उन्हें घरेलू कामगार के रूप में केवल 20,000 रुपये में खरीद लिया। लेकिन वहां से मजदूरी के नाम पर उनको एक रुपया भी नहीं मिला। इतना ही नहीं, नियोक्ताओं और ट्रैफिकर (तस्कर) द्वारा उनका बार-बार बलात्कार और शोषण किया जाता रहा। अपनी बेटी के लापता होने से निराश और घनघोर पीड़ा झेलने के बाद सीमा के मजदूर पिता हमारे पास आए। हमने सीमा को दिल्ली के एक घर में ढूंढ़ लिया। लेकिन, हमारे लिए यह हैरानी की बात थी कि गुलामी और शोषण से आजाद होने के बाद भी वह दुखी थीं और हमारे सामने नहीं आ रही थीं। पिता से मिलने के बजाय वह रोते हुए दीवार के पीछे छिप गईं। बहुत कुरेदने पर उन्होंने रोते हुए कहा, 'मैं पिता को अपना चेहरा नहीं दिखा सकती। मैं अब गंदी हो चुकी हूं। मैं खुद को मार डालना चाहती हूं।' यह सुनकर मेरा सिर शर्म से झुक गया। यह केवल सीमा की कहानी नहीं है। यह हमारे समाज के सबसे गरीब, पिछड़े और हाशिये पर रहने वाले हजारों बच्चों और लड़कियों की कहानी है। दुनिया का कोई भी देश जब तक अपनी बेटियों की खरीद-फरोख्त को चुपचाप सहते जा रहा है, तब तक वह खुद को सभ्य नहीं कह सकता। किसी राष्ट्र की संपत्ति, शक्ति या प्रगति का कोई मतलब नहीं है, यदि उसके बच्चों को मध्ययुग की दास प्रथा की तरह जानवरों से भी कम कीमत में खरीदा और बेचा जाता है! चार दशक पहले 1980 में जब हमने पंजाब के सरहिंद के एक ईंट भट्ठे से वर्षों से कैद वासल खान और उनकी मासूम साबो को बंधुआ मजदूरी व गुलामी से मुक्त कराकर अपना अभियान शुरू किया था, तभी हमें समझ में आ गया था कि बाल श्रम और ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) सहित तमाम सिविल सोसायटी समूहों ने मानव व्यापार के इस खतरे को समाप्त करने हेतु एक मजबूत कानून के लिए दशकों से अभियान चला रखा है। वर्ष 2017 में सीमा और उनके जैसे बाल दासता से मुक्त हजारों बच्चों और युवाओं ने इस कानून की मांग को लेकर देश के कोने-कोने में सरकारों, न्यायपालिका, धर्मगुरुओं, कॉरपोरेट घरानों, छात्रों और सिविल सोसायटी के लोगों के साथ 'भारत यात्रा' में कदम से कदम मिलाकर मार्च किया। इस देशव्यापी यात्रा में 12 हजार किलोमीटर की दूरी तय की गई और 12 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। सबकी जुबान पर एक ही मांग थी कि भारत को बच्चों की खरीद-फरोख्त और शोषण रोकने के लिए एक व्यापक मानव तस्करी विरोधी कानून पारित करना चाहिए। 'भारत यात्रा' में शामिल बाल दासता और मानव व्यापार से मुक्त बहादुर नौजवानों के मन को छू लेने वाले गीत अब भी मेरे कानों में गूंजते रहते हैं- बिकने को तैयार नहीं हम, लुटने को तैयार नहीं हम। केंद्र सरकार ने व्यक्तियों की तस्करी (रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास) विधेयक, 2021 प्रस्तावित किया है। इसे संसद को पारित करना है। बिल का उद्देश्य अपराध के सामाजिक और आर्थिक कारणों, तस्करों को सजा, पीड़ितों की सुरक्षा व पुनर्वास सहित मानव व्यापार के सभी पहलुओं से निपटना है। यह एक व्यापक और मजबूत विधेयक है। कोविड-19 महामारी और इससे उपजी परिस्थितियों ने इस कानून की आवश्यकता को और ज्यादा बढ़ा दिया है। लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने और आर्थिक संकट के चलते देश के लाखों गरीब परिवारों के पास आजीविका का कोई साधन न रहने का फायदा तस्कर उठा रहे हैं। बीबीए के आंकड़े बाल तस्करी बढ़ने के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। संगठन ने पहले लॉकडाउन से लेकर अब तक सरकारी एजेंसियों के सहयोग से 9,000 से भी ज्यादा बच्चों को मानव तस्करों से मुक्त कराया है। इसकी तुलना में महामारी से पहले 14 महीने की समान अवधि के दौरान करीब 4,700 बच्चों को मुक्त कराया गया था। ये आंकड़े स्थिति की गंभीरता का एहसास कराते हैं। इसीलिए यदि हमें महामारी के प्रभाव से उबरना है, तो इसके मानवीय पहलू को भी ध्यान में रखना होगा। इसलिए तस्करी विरोधी कानून को फौरन पारित कराने के साथ ही हमें बच्चों के लिए सालाना बजटीय आवंटन में भी वृद्धि करनी होगी। मानव व्यापार अपने आप में एक संगठित अपराध है। लेकिन यह कई अन्य अपराधों को भी जन्म देता है। यह एक समानांतर काली कमाई वाली अर्थव्यवस्था को जन्म देता है, जो बाल श्रम, बाल विवाह, वेश्यावृत्ति, बंधुआ मजदूरी, जबरन भिक्षावृत्ति, नशीली दवाओं से संबंधित अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और अन्य अवैध व्यवसायों को बढ़ावा देता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने अस्पृश्यता के अलावा तस्करी के अपराध को भी भारत के संविधान के तहत दंडनीय बनाया। लिहाजा, एक मजबूत 'एंटी ट्रैफिकिंग' कानून हमारे निर्वाचित नेताओं की नैतिक और सांविधानिक जिम्मेदारी है और राष्ट्र-निर्माण और आर्थिक प्रगति की दिशा में एक आवश्यक कदम भी। दरअसल, बच्चों की गरीबी, मजदूरी, अशिक्षा और सुरक्षा हमारी राजनीतिक और आर्थिक प्राथमिकताओं में नहीं रहे हैं। लेकिन, हमारे बच्चे अब और इंतजार नहीं कर सकते। अब समय आ गया है कि एक पूरी पीढ़ी को बचाने के लिए इस मुद्दे को राजनीति और विकास के केंद्र में लाया जाए। आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय में संतुलन बनाया जाए। भारत अपनी आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे भारत सरकार अमृतोत्सव के रूप में मना रही है। इस अवसर पर भारतमाता के लिए उसके बच्चों की आजादी से बड़ा तोहफा भला और क्या हो सकता है? हमारे नीति-निर्माता बाल तस्करी के खिलाफ एक मजबूत कानून बनाकर हमारे बच्चों को आजादी, सुरक्षा व गरिमा का अमृत प्रदान कर सकते हैं।

संपादकीय

राजनीति को अपराध मुक्त करने की दिशा में शीर्ष अदालत के महत्वपूर्ण निर्णय

एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसले के अंतर्गत शीर्ष अदालत ने अपने चुनावी उम्मीदवारों का आपराधिक रिकार्ड सार्वजनिक न करने के कारण भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सहित 8 राजनीतिक दलों पर 1 से 5 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया है। भाजपा-कांग्रेस पर एक-एक लाख और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) व सीपीएम पर 5 लाख रुपयों का आर्थिक दंड शीर्ष कोर्ट द्वारा ठोंका गया है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को यह निर्णय भी सुनाया कि हाईकोर्ट की अनुमति के बगैर सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं लिए जा सकेंगे। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन्ना, जस्टिस विनीत सरन एवं न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने केन्द्र सरकार और सीबीआई जैसी केन्द्रीय एजेंसियों के प्रति भी नाराजगी जतलाई है। राजनीति और समग्र समाज को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में शीर्ष अदालत के ये फैसले दूरगामी असर दिखा सकते हैं, बशर्ते कि इनका पालन कड़ाई से एवं लंबे समय तक हो सके। भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू, आरजेडी, एलजेपी और सीपीआई पर एक-एक लाख रुपये तथा एनसीपी और सीपीएम पर 5-5 लाख का रुपए का जुर्माना लगाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्णय के साथ कुछ और भी फैसले दिये हैं जो अपने आप में मील के पत्थर साबित हो सकते हैं। सांसदों और विधायकों के खिलाफ प्रकरणों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालतों के न्यायाधीशों का अगले आदेश तक स्थानांतरण न करने का भी निर्देश सुनाया गया। अक्सर ऐसा होता आया है कि अनुकूल फैसला पाने के लिए स्थानांतरण के माध्यम से न्यायाधीशों को मामलों से ही हटा दिया जाता है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरलों को भी विधायकों-सांसदों के खिलाफ मामले एक तयशुदा प्रारूप में सौंपने के लिए कहा गया है। इस मायने में इसे बहुत महत्वपूर्ण निर्णय निरूपित किया जाना चाहिए क्योंकि आज भारत का सबसे बड़ा संकट हमारी सियासत का अपराधीकरण है। बड़ी संख्या में सांसद और विधायक ही नहीं बल्कि राजनीति में शामिल होने वाले निचले स्तर तक के कार्यकर्ताओं-नेताओं की किसी न किसी तरह के अपराधों में संलिप्तता होती है। इसके कारण वे बड़े पैमाने पर मतदाताओं और पूरी व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। झूठे शपथपत्रों से लेकर हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों में उन पर मामले चलते रहते हैं और वे बाकायदे निर्वाचित होकर विभिन्न तरह के निकायों में पहुंचते रहते हैं। नरेन्द्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने न्यायपालिका से उम्मीद जताई थी कि जनप्रतिनिधियों पर चल रहे आपराधिक मामलों पर एक वर्ष के भीतर सुनवाई पूरी कर निर्णय देने की व्यवस्था की जाये। पहले से प्रकरणों के बोझ में दबी न्यायपालिका के लिए यह तब तक संभव नहीं है जब तक कि इसके लिए पर्याप्त सुविधाएं मुहैया न कराई जायें। इसलिए वह कार्य तो आगे बढ़ा ही नहीं, रही-सही कसर कुछ ऐसे निकल गई कि स्वयं उनके दल यानी भारतीय जनता पार्टी ने ही अनेक ऐसे ही अपराधी तत्वों को संसद और विधानसभाओं तक पहुंचाया। इनमें सामान्य मारपीट से लेकर हत्या, बलात्कार और यहां तक कि दंगे और आतंक फैलाने वाले लोग भी हमारी विधायिकाओं में शान से बैठे हुए हैं। कहना न होगा कि वे ऐसा कोई कानून आने ही नहीं देंगे जो अगले चुनावों में उनका रास्ता रोके। यह विडंबना है कि कानून तोड़ने वालों को हम कानून बनाने की जिम्मेदारी सौंपते हैं। देश की निर्वाचन प्रणाली में सुधार के मद्देनजर कई बार व्यक्तिगत और संस्थागत कोशिशें की गईं लेकिन राजनैतिक स्वार्थों के चलते अपराध मुक्त राजनीति का सपना कभी भी पूरा नहीं हो पाया। सत्ता लोलुपता, धन की आकांक्षा, शक्ति बटोरने की इच्छा, और भी ऊंचा पद पाने की हसरतों से देश की राजनीति अपराधों के दलदल में फंस गई है। हमारे जनप्रतिनिधियों की न केवल अपराधियों से सांठगांठ बल्कि स्वयं की आपराधिक कृत्यों में संलग्नता आज के दौर की कटु सच्चाई है। किसी समय जब देश के निर्वाचन आयोग और कार्यालय स्वतंत्र तथा निष्पक्ष होते थे, तब इन अपराधों पर कई तरह के नियंत्रण लगाने की ईमानदार कोशिशें की गईं।

कोरोना की आड़ में पूरी एक पीढ़ी से खिलवाड़ कर रही सरकार

इन शैक्षणिक संस्थानों के लिए तरह-तरह के गाईडलाईन जारी कर रखे गये हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि कोरोना की आड़ लेकर शैक्षणिक संस्थानों को खोलने नहीं दिया जा रहा है लेकिन दूसरी ओर भारी महंगे ऑनलाईन कोचिंग कक्षाओं का तगड़ा धंधा एवं व्यवसाय चलाया जा रहा है। इस सारी कवायद में ग्रामीण क्षेत्र एवं मध्यमवर्गीय बच्चे प्रभावित हो रहे हैं, जिनकी इस समय चिंता या परवाह करने वाला इस देश में कोई नहीं है।

- डॉ. लखन चौधरी

कसी देश के विकास का सारा दारोमदार शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। अक्सर इस स्थिति के लिए विश्वविद्यालयों के ऊपर बढ़ती राजनीतिक दखलंदाजी को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन यदि ऐसा है तो फिर विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता एवं सार्थकता पर सवाल उठना एवं उठाना चाहिए। कोरोना की आड़ लेकर इस समय हमारे देश की सरकारें अपने ही देश के मध्यमवर्गीय विद्यार्थियों एवं युवाओं की पूरी एक पीढ़ी के कॅरियर एवं जिंदगी के साथ ऐसा खिलवाड़ कर रही हैं। शिक्षा, महिला, युवा, बाल एवं खेल मामलों की संसदीय समिति ने एक रिपोर्ट में महत्वपूर्ण और गंभीर टिप्पणी की है कि कोरोना महामारी के कारण पिछले सवा-डेढ़ साल से स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। विशेषकर साधनहीन कमजोर वर्ग के बच्चों की गणित, विज्ञान एवं भाषा की पढ़ाई एवं मौलिक ज्ञान में कमी आई है। इधर इस सवा-डेढ़ साल में दुनियाभर की शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्थाएं समेत अर्थव्यवस्थाएं तक लगभग पूरी तरह चरमरा चुकी हैं। दुनियाभर के दिग्गज और बड़े से बड़े विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं तक को कोरोना का ग्रहण लग चुका है। विकासदर के आंकड़े और सभी रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्ट एवं अनुमान भी अब इस बात की पुष्टि करने में घबराहट अनुभव कर रहे हैं कि आखिरकार अर्थव्यवस्थाओं के हालात कैसे, कब एवं किस तरह सुधरेंगे? और दुनिया से इस कोरोना का खौफ कब जायेगा? वैसे तो इस समय पूरी अर्थव्यवस्थाओं को ही कोरोना का ग्रहण लग चुका है, लेकिन सबसे अधिक बुरी तरह प्रभावित कोई सेक्टर है तो वह शिक्षा का क्षेत्र। बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्च एवं उच्चत्तर, तकनीकी, व्यावसायिक सभी प्रकार की शिक्षा व्यवस्था को बाकायदा सरकारों के द्वारा लगभग ठप कर दिया गया है। इन शैक्षणिक संस्थानों के लिए तरह-तरह के गाईडलाईन जारी कर रखे गये हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि कोरोना की आड़ लेकर शैक्षणिक संस्थानों को खोलने नहीं दिया जा रहा है लेकिन दूसरी ओर भारी महंगे ऑनलाईन कोचिंग कक्षाओं का तगड़ा धंधा एवं व्यवसाय चलाया जा रहा है। इस सारी कवायद में ग्रामीण क्षेत्र एवं मध्यमवर्गीय बच्चे प्रभावित हो रहे हैं, जिनकी इस समय चिंता या परवाह करने वाला इस देश में कोई नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों को कोरोना संक्रमण से बचाने को लेकर राज्य सरकारों की चिंता प्रारंभिक नजर में सही लगती है। इस बात में दम भी लगता है कि सरकारें, विद्यार्थियों को संक्रमण से बचाने के लिए स्कूल-कॉलेज को खोलने का साहस नहीं कर पा रही हैं। जब-जब स्थितियां सामान्य होती दिखी हैं, तो शैक्षणिक संस्थानों को पूर्ववत संचालन के लिए तैयार करने की कवायद भी हुई है। मगर किसी न किसी संस्थान में कभी कोई संक्रमण की घटनाएं होने से आनन-फानन में पूरे संस्थाओं को बंद करने जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति भी बार-बार देखने को मिल रही है। यहीं पर सवाल उठता है कि आखिरकार कोरोना का डर स्कूल-कॉलेज आदि शैक्षणिक संस्थानों पर ही क्यों लादा जा रहा है? राजनीतिक चुनावों में कोरोना संक्रमण फैलने की बातें क्यों नहीं होती है? शैक्षणिक संस्थानों पर कोरोना संक्रमण फैलने को लेकर मीडिया की भूमिका भी समझ से परे है? मीडिया या तो इस मसले पर जरूरत से अधिक हल्ला करती है या सही मुद्दे को उठाने में चूक कर रही है। पूरा का पूरा सत्र खराब हो गया, लेकिन अब तो आगामी सत्र को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनने लगी है। अब तो साफ हो गया है कि अगला सत्र भी पूरी तरह से पटरी से उतर चुका है। ऐसे हालात में शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों को नहीं खोलकर कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारी सरकारें नौनिहालों, युवाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहीं हैं? स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ कहीं खिलवाड़ तो नहीं हो रहा या किया जा रहा है?

सबसे बड़ा महत्वपूर्ण सवाल यह कि आने वाले दो-तीन सालों तक यदि इसी तरह चलता रहा तो क्या शिक्षण संस्थानों को इसी तरह बंद रखा जायेगा? देश के सभी नागरिकों को कोरोना का टीका लगाने में कई साल लगने वाले हैं, तो क्या तब तक के लिए स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे? यकीन मानिये, कोरोना का यह संक्रमण आने वाले कई सालों तक बल्कि इस दशक के अंत तक रहने वाला है, तब तक ऐसे में क्या-क्या इसी तरह चलेगा? क्या पूरी की पूरी पीढ़ी को हमारी सरकारें बर्बाद करना चाहती हैं? लोकतंत्र में लोग कब जागेंगे?

पिछले कई महिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक बहुत ही छोटी सी कविता है। बिल्कुल सटीक, बेहद मार्मिक। इस कविता की पंक्तियां कुछ इस प्रकार हैं- %%कल स्कूल में सब खुश थे/ क्योंकि सारे बच्चे पास थे/ जो आये, वो पास/ जो नहीं आये, वो भी पास/ जिसने परीक्षा दी, वो पास/ जिन्होंने नहीं दी, वो भी पास/ सब खुश, बेहद खुश/ बस दुखी था, तो वह अध्यापक/ जो इनकी/ इस खोखली नींव के भीतर/ भविष्य में होने वोले/ पतन को देख रहा था।

क्या इस स्थिति के लिए हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं है? यहां उच्च एवं उच्चत्तर शिक्षा के संबंध में विश्वविद्यालयों की भूमिका एवं योगदानों पर विमर्श को विस्तार देना भी जरूरी एवं जायज बनता है। यह बेहद महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि युवाओं के कॅरियर एवं रोजगार से लेकर किसी देश के विकास का सारा दारोमदार शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। अक्सर इस स्थिति के लिए विश्वविद्यालयों के ऊपर बढ़ती राजनीतिक दखलंदाजी को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन यदि ऐसा है तो फिर विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता एवं सार्थकता पर सवाल उठना एवं उठाना चाहिए।

कोरोना की आड़ लेकर इस समय हमारे देश की सरकारें अपने ही देश के मध्यमवर्गीय विद्यार्थियों एवं युवाओं की पूरी एक पीढ़ी के कॅरियर एवं जिंदगी के साथ ऐसा खिलवाड़ कर रही हैं, जिसके लिए यह पीढ़ी शायद इनको कभी माफ नहीं कर सकेगी।

डरा हुआ अगस्त

- सर्वमित्रा सुरजन

प्रधानमंत्री इस 15 अगस्त को फिर से लालकिले की प्राचीर से भाषण देंगे और देश को आजादी के अमृत महोत्सव का ज्ञान बांटेंगे। लेकिन आजादी का असली अमृत तो देश पर तब बरसेगा, जब संसद सत्र पूरी लगन और ईमानदारी से चले, सारे निर्वाचित सांसद अपना अधिकतम वक्त संसद की कार्यवाही में दें और हरेक विधेयक पर गंभीर चिंतन-मनन हो, उसके बाद उसे कानून का रूप दिया जाए। साल 2021 का आठवां महीना अगस्त आ गया। आना ही था, हर साल आता ही है। शासक शासितों पर लॉकडाउन थोप सकते हैं, वक्त पर नहीं। वक्त तो अपनी रफ्तार से चलता ही है, पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती ही है, और दिन-महीने-साल बीतते ही हैं। अगस्त आने का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि इस महीने में भारतीयों का राष्ट्रवाद अपने उफान पर होता है। पहले अगस्त क्रांति यानी भारत छोड़ो आंदोलन की याद में भुजाएं फड़काई जाती हैं और उसके बाद स्वाधीनता का जश्न मनाया जाता है। और पिछले सात सालों से लाल किले से प्रधानमंत्री का भाषण त स्वाधीनता से भी बड़ा आयोजन बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने भाषणों में कौन सी नई घोषणाएं करते हैं, कौन से नए वादे करते हैं, कौन से नए दावे ठोंकते हैं और कौन से नए जुमले उछालते हैं, इसका विश्लेषण तो पत्रकार करते ही हैं। गोदी मीडिया बिरादरी के लोग कुछ और विस्तार में जाकर इस आयोजन की व्याख्या करते हैं, मसलन प्रधानमंत्री ने कौन से रंग का साफा पहना या पगड़ी पहनी और वो पिछले बार से किस तरह अलग थी। उस रंग से कौन सा स्टाइल स्टेटमेंट निकलता है। उनके हाव-भाव से पड़ोसी दुश्मन देश डरे होंगे या नहीं। प्रधानमंत्री ने बच्चों की ओर देखकर कितने बार हाथ हिलाया, उनके बीच किस तरह मिलने गए। ऐसी तमाम बातें स्वतंत्रता दिवस के महत्व से अधिक मायने रखने लगती हैं। आजादी के दिन को महज एक छुट्टी का दिन मानने वाले लोगों को भी ऐसी बातों में खूब रस आता है। इन लोगों को इस बात से शायद ही कोई फर्क पड़ता है कि जिस आजादी को असली खून और पसीना बहाकर हमारे पुरखों ने हासिल की, आज उस आजादी पर फिर से कितने तरह के जाल बिछा दिए गए हैं। यानी घोषित तौर पर, दुनिया के लिए हम आजाद हैं, लेकिन भीतर ही भीतर सत्तातंत्र की चालाकियों ने हमें कितने फंदों में जकड़ लिया है। हर पांच साल में मतदान केन्द्रों पर अपने मत का इस्तेमाल करना ही आजादी नहीं है। आजादी का मतलब तो बिना किसी डर या दबाव के अपने अधिकारों का उपयोग करना और उससे अधिक एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। आजादी का मतलब अपने जनप्रतिनिधियों से बेखौफ सवाल पूछना, उनसे उनकी जिम्मेदारियों का हिसाब-किताब लेना है। आजादी का मतलब बिना दूसरों को तकलीफ पहुंचाए, अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करना, अपनी पसंद का खान-पान करना है।

आजादी का मतलब जाति-धर्म की बेड़ियों से खुद को और समाज को मुक्त करना है। आजादी का मतलब कमजोरों, वंचितों, शोषितों और हाशिए के समुदायों को समाज की मुख्यधारा में लाना और उन्हें अधिकारों से संपन्न करना है। आजादी का मतलब अपने देश के बेहतर भविष्य के लिए बनाई जा रही योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करना भी है। एक लोकतांत्रिक मुल्क के लिए तो कम से कम आजादी के यही सब मायने हैं, गुणीजन अपने विवेक से इस सूची को कुछ और बढ़ा सकते हैं। लेकिन इस कसौटी पर अगर हम आज की स्थितियों को परखें तो यही नजर आता है कि इस वक्त देश में आजादी से अधिक डर का माहौल है।

अगस्त आते ही कुछ लोग स्वतंत्रता दिवस के बहाने राष्ट्रवाद का ऐसा शोर मचाते हैं कि लगता है मानो गुलामी का दंश केवल इन्होंने ही सहा है या केवल इनके प्रयासों से ही देश को आजादी मिली है, या भारत अकेले इन्हीं का देश है। उग्रराष्ट्रवाद के जहर में देश की आजादी को डुबोकर ये लोग जबरदस्ती इसका सेवन दूसरों को कराना चाहते हैं और जो इस जहर को पीने से इंकार करे उसे राष्ट्रद्रोही ठहराया जाता है। अभी हाल ही में कुछ घटनाएं ऐसी हुई हैं, जो इस कथन की पुष्टि करती हैं। संसद के मानसून सत्र में इस बार पेगासस जासूसी मामला, कृषि कानून और महंगाई के मुद्दे छाए रहे। इनकी वजह से सत्र लगातार एक पखवाड़े तक बाधित रहा। लेकिन संसद की चौखट पर शीश नवाने वाले प्रधानमंत्री ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से इतना अवकाश नहीं निकाला कि वे इन मुद्दों पर विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए सदन में आएं या उनकी सरकार इन पर चर्चा के लिए राजी हो। प्रधानमंत्री इस 15 अगस्त को फिर से लालकिले की प्राचीर से भाषण देंगे और देश को आजादी के अमृत महोत्सव का ज्ञान बांटेंगे। लेकिन आजादी का असली अमृत तो देश पर तब बरसेगा, जब संसद सत्र पूरी लगन और ईमानदारी से चले, सारे निर्वाचित सांसद अपना अधिकतम वक्त संसद की कार्यवाही में दें और हरेक विधेयक पर गंभीर चिंतन-मनन हो, उसके बाद उसे कानून का रूप दिया जाए। आजादी पर यह कितना बड़ा आघात है कि संसद में इस वक्त ऐसा कुछ नहीं हो रहा। संसद भवन से कुछ ही दूरी पर स्थित जंतर-मंतर पर भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर भारत जोड़ो आंदोलन नाम से रैली निकाली गई। लेकिन इस रैली में ही विभाजनकारी, सांप्रदायिक नफरत से पगे हुए नारे लगाए गए। इस नारेबाजी का बाकायदा वीडियो भी जारी हुआ, जिसमें साफ नजर आ रहा है कि कौन लोग मुठियां भींचे हुए कुछ खास लोगों के लिए हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन नारों को सुनना डरावना था, लेकिन उससे भी डरावना था पुलिस-प्रशासन और सरकार का रवैया। देश की राजधानी में सांप्रदायिक हिंसा की बातें सरेआम की जा रही थीं और पुलिस से इतनी मुस्तैदी दिखाते नहीं बनी कि उन लोगों को वहीं रोकती और कानूनी कार्रवाई करती।

झम-झम, झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के

झम झम झम झम मेघ बरसते
हैं सावन के
छम छम छम गिरतीं बूंदें तरुओं
से छन के।
चम चम बिजली चमक रही रे
उर में घन के,
थम थम दिन के तम में सपने
जगते मन के।

ऐसे पागल बादल बरसे नहीं
धरा पर,
जल फुहार बौछारें धारें गिरतीं
झर झर।
आंधी हर हर करती, दल मर्मर
तरु चर चर
दिन रजनी औ पाख बिना तारे
शशि दिनकर।

पंखों से रे, फैले फैले ताड़ों के
दल,
लंबी लंबी अंगुलियाँ हैं चौड़े
करतल।
तड़ तड़ पड़ती धार वारि की
उन पर चंचल
टप टप झरतीं कर मुख से जल
बूंदें झलमल।

नाच रहे पागल हो ताली दे दे
चल दल,
झूम झूम सिर नीम हिलातीं
सुख से विह्वल।
हरसिंगार झरते, बेला कलि
बढ़ती पल पल
हंसमुख हरियाली में खग कुल
गाते मंगल?

दादुर टर टर करते, झिल्ली
बजती झन झन
म्यांउ म्यांउ रे मोर, पीउ पिउ
चातक के गण!
उड़ते सोन बलाक आर्द्र सुख से
कर क्रंदन,
घुमड़ घुमड़ घिर मेघ गगन में
करते गर्जन।

वर्षा के प्रिय स्वर उर में बुनते
सम्मोहन
प्रणयातुर शत कीट विहग करते
सुख गायन।
मेघों का कोमल तम श्यामल
तरुओं से छन।
मन में भू की अलस लालसा
भरता गोपन।

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ
कहते बूंदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर
अंतर!
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती
पर,
रज के कण कण में तृण तृण
की पुलकावलि भर।

पकड़ वारि की धार झूलता है
मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेर कर
गाओ सावन!
इन्द्रधनुष के झूले में झूलें मिल
सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन
मन भावन!

Mahindra XUV700 होगी देश की पहली गाड़ी जिसमें मिलेगा ये ख़ास फीचर, एक आवाज़ से कंट्रोल होगी SUV

देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा आगामी 14 अगस्त को घरेलू बाजार में अपनी नई 7-सीटर एसयूवी XUV700 को पेश करने जा रही है। इस एसयूवी के बाजार में आने से पहले ही ये साफ हो चुका है कि कंपनी इसमें कई ऐसे एडवांस फीचर्स को शामिल कर रही है जो कि सेग्मेंट में पहली बार देखने को मिलेंगे। अब कंपनी ने घोषणा है कि ये एसयूवी ड्यद्म×ड्ड ड्डश्चद्वष्द्ध आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ड्ड) सिस्टम से लैस होगी।

ये देश की पहली ऐसी गाड़ी होगी जिसमें Alexa Voice आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम दिया जाएगा। इस सिस्टम की ख़ास बात ये है कि, इससे वाहन चालक या मालिक वॉयस कमांड यानी कि अपने एक आवाज़ से एसयूवी के विंडो से लेकर सनरूफ, इंफोटेंमेट सिस्टम, म्यूजिक, केबिन का तापमान इत्यादि को कंट्रोल कर सकता है। ये बिल्कुल वैसा ही होगा जैसे कि घर पर बैठकर आप Alexa को ऑर्डर देते हैं।

इससे चालक निश्चिंत होकर ड्राइविंग कर सकता है। क्योंकि ड्राइविंग के दौरान चालक को इन फंक्शन को ऑपरेट करने के लिए महज आवाज देनी होगी और स्टीयरिंग व्हील से हाथ हटाने की भी जरूरत नहीं होगी। हालांकि वॉयस कमांड सिस्टम इससे पहले भी कुछ एसयूवी में देखने को मिलता है, लेकिन Alexa Voice से लैस ये पहली एसयूवी होगी।

अमेज़ॅन इंडिया द्वारा किए गए शोध के अनुसार, देश में कई लोग अपनी कारों में वही वॉयस (आवाज़) AI सुनना पसंद करते हैं जो वो पहले से ही अपने घरों के अंदर सुनने के आदी हैं। अब चूंकिं इको डिवाइसेस लोकप्रिय हो गए हैं तो आगामी XUV700 में एलेक्सा वॉयस इंटीग्रेशन सिस्टम का प्रयोग करना एक शानदार कदम है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ वीजय नाकरा ने कहा कि, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नया सिस्टम लोगों के ड्राइविंग एक्सपीरिएंस को बदल कर रख देगा और ये टेक-सेवी लोगों को खूब पसंद आएगा। महिंद्रा का कहना है कि वाहन Alexa को उन स्थानों पर ऑफ़लाइन एक्सेस की भी सुविधा प्रदान करेगा जहां पैची या शून्य इंटरनेट कनेक्टिविटी होगी। इस एसयूवी में अत्याधुनिक फीचर्स और तकनीक को शामिल किया जा रहा है। इसमें एडवांस ड्राइवर एसिस्टेंस सिस्टम (ADAS), पैनारोमिक सनरूफ और बड़ा ट्चस्क्रिन इंफोटेंमेंट सिस्टम दिया जाएगा। अभी कंपनी ने इसके इंजन और अन्य मैकेनिज्म के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है। लेकिन जानकारों का मानना है कि कंपनी इसमें 2.2 लीटर की क्षमता का डीजल और 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया जा सकता है। ये इंजन 6 स्पीड मैनुअल और टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से लैस होगा।

Hero ने 1800 से ज्यादा Splendor बाइक्स के साथ किया कुछ ऐसा कि गिनीज बुक में दर्ज हुआ नाम

ये खाली मैदान कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के पास ही है, लेकिन इस डिज़ाइन को बनाने से पहले पूरे मैदान को समतल किया गया। बताया जा रहा है कि इस पूरे लोगो को 100 लोगों की एक टीम ने 90 दिन में पूरा किया है। इसमें तकरीबन 300 घंटे का समय लगा है।

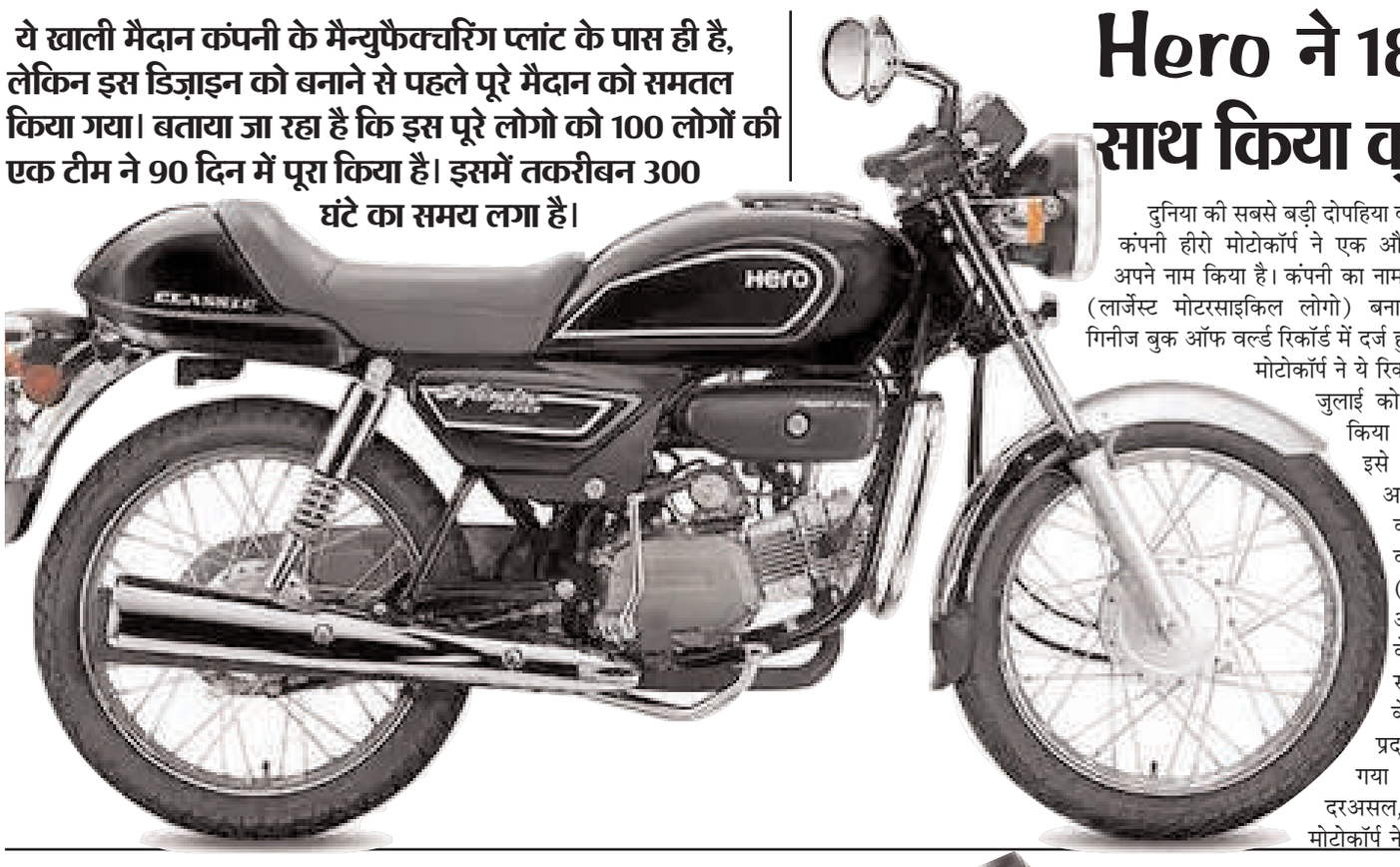

दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने एक और कीर्तिमान अपने नाम किया है। कंपनी का नाम सबसे बड़ा (लार्जेस्ट मोटरसाइकिल लोगो) बनाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। हीरो मोटोकॉर्प ने ये रिकॉर्ड बीते 29 जुलाई को अपने नाम किया था, लेकिन इसे बीते 9 अगस्त को कंपनी के व्यक्तिगत (होंडा से अलग होने के बाद) 10 साल पूरे होने के मौके पर प्रदर्शित किया गया था। दरअसल, हीरो मोटोकॉर्प ने आंध्र प्रदेश स्थित अपने प्लांट में 1,845 मोटरसाइकिलों को कंपनी के लोगो (स्नद्दश) के डिज़ाइन में खड़ा कर इस लार्जेस्ट लोगो को बनाया है। इस लोगो को (1000ft × 800ft) के खाली मैदान में बनाया गया और इसमें केवल Splendor+ मोटरसाइकिलों को ही शामिल किया गया था। ये खाली मैदान कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के पास ही है, लेकिन इस डिज़ाइन को बनाने से पहले पूरे मैदान को समतल किया गया। बताया जा रहा है कि इस पूरे लोगो को 100 लोगों की एक टीम ने 90 दिन में पूरा किया है। इसमें तकरीबन 300 घंटे का समय लगा है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, हीरो मोटोकॉर्प के ग्लोबल प्रोडक्ट प्लानिंग एंड स्ट्रैटेजी हेड, मालो ले मैसन ने कहा, इस साल की शुरुआत में, हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी स्थापना के बाद से 100 मिलियन टू-व्हीलर्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया। बिक्री के मामले में ये एक मील का पत्थर है। हमने यह उपलब्धि साल 2021 में हासिल की जो कि कंपनी के व्यक्तिगत ऑपरेशन के 10 साल पूरे होने का भी साल है। ये हमारे लिए एक विशेष दिन है। बता दें कि, इस मौके पर कंपनी ने लाइव स्ट्रीम के दौरान अपने आने वाले पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर की एक झलक साझा की है। हीरो मोटोकॉर्प के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और सीईओ पवन मुंजाल ने इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को इस वादे के साथ पेश किया कि इसे जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। इस स्कूटर के सामने आते ही इसकी तुलना ह्र्यड्ड की आने वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर से होने लगी है, जिसे आगामी 15 अगस्त को पेश किया जाएगा।

बिक्री के मामले में ये एक मील का पत्थर है। हमने यह उपलब्धि साल 2021 में हासिल की जो कि कंपनी के व्यक्ति गत ऑपरेशन के 10 साल पूरे होने का भी साल है।

नए अवतार में लॉन्च हुई 650cc की ये पावरफुल स्पोर्ट बाइक, स्मार्टफोन से होती है कनेक्ट

पिछले मॉडल के मुकाबले इसकी कीमत थोड़ी ज्यादा है। पिछले मॉडल की कीमत 6.54 लाख रुपये है। कंपनी ने बीते महीनों ही इस नए मॉडल को ग्लोबल मार्केट में पेश किया था, जिसमें कुछ खास बदलाव किए गए हैं।

जापानी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी Kawasaki ने आज भारतीय बाजार में अपनी मशहूर स्पोर्ट बाइक Kawasaki Ninja 650 के नए फेसलिफ्ट मॉडल को लॉन्च किया है। बेहद ही आकर्षक लुक और दमदार इंजन क्षमता से सजी इस बाइक की शुरुआती कीमत 6.61 लाख रुपये तय की गई है। पिछले मॉडल के मुकाबले इसकी कीमत थोड़ी ज्यादा है। पिछले मॉडल की कीमत 6.54 लाख रुपये है। कंपनी ने बीते महीनों ही इस नए मॉडल को ग्लोबल मार्केट में पेश किया था, जिसमें कुछ खास बदलाव किए गए हैं। नए कलर स्कीम के साथ ही अपडेटेड फीचर्स इस बाइक को और भी ख़ास बनाते हैं। इसे सिग्नेचर लाइम ग्रीन पेंट के साथ ही लोअर फेयरिंग पर व्हाइट हाइलाइट्स दिए गए हैं। इसके अलावा बॉडीवर्क के चारों ओर लाल पिनस्ट्रिप ग्राफिक्स इसे और भी खूबसूरत बनाते हैं। Kawasaki Ninja 650 में पर्ल रोबोटिक व्हाइट कलर भी मिलता है जिसमें व्हाइट के साथ मैटेलिक ग्रे और लाइम ग्रीन शामिल है। इस बाइक में फुल-एलईडी हेडलैंप और टेल लैंप के साथ-साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी सिस्टम दिया गया है। नई निंजा 4.3 इंच के फुल-कलर टीएफटी डिस्प्ले के साथ आती है। जहां तक इंजन की बात है तो इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है, इसमें कंपनी ने 649cc, पैरेलल-ट्विन, लिक्विड-कूल्ड इंजन का उपयोग किया गया है, ये इंजन 66.4bhp की पावर और 64Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। ये इंजन स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है। कंपनी ने इस बाइक में सेफ्टी और कम्फर्ट का भी पूरा ख्याल रखा है। सस्पेंशन ड्यूटी के तौर पर इसके फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क्स और पिछले हिस्से में एक मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है। ड्यूल-चैनल एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस इस बाइक के फ्रंट में ट्विन डिस्क और पिछले पहिए में सिंगल डिस्क ब्रेक्स दिए गए हैं।

टाटा की इस सबसे सस्ती कार पर मिल रहा है बंपर डिस्काउंट, देती है 23 का माइलेज और कीमत 5 लाख रुपये से भी कम

भारतीय बाजार में हैचबैक कारों की डिमांड सबसे ज्यादा रहती है। कम कीमत, बेहतर माइलेज और लो मेंटनेंस के चलते लोग इस सेग्मेंट की कारों का चुनाव करते हैं। यदि आप भी एक पावरफुल हैचबैक कार खरीदने की सोच रहे हैं तो ये आपके लिए बेहतर मौका है। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी Tata Motors अपनी सबसे सस्ती हैचबैक कार Tiago की खरीद पर इस अगस्त महीने में भारी डिस्काउंट दे रही है। इस महीने टाटा टिएगो की खरीद पर आप भारी बचत कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी इस कार पर पूरे 35,000 रुपये तक का डिस्काउंट ऑफर कर रही है। जिसमें 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस शामिल है। ये छूट इसके सभी वेरिएंट पर दिया जा रहा है, हालांकि इसमें हाल ही में लॉन्च हुई टाटा टिएगो एनआरजी मॉडल शामिल नहीं है।

कैसी है ये हैचबैक कार: टाटा मोटर्स की कारें अपनी आकर्षक और मजबूत बनावट के लिए जानी जाती हैं। एक हैचबैक के तौर पर ये कार भी बेहद ही उपयोगी है। इसमें कंपनी ने 1.2 लीटर की क्षमता का पेट्रोल इंजन इस्तेमाल किया है जो कि 86PS की पावर और 113Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। ये इंजन 5 स्पीड मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ आता है। कुल 10 वेरिएंट्स में आने वाली इस कार की कीमत 4.99 लाख रुपये से लेकर 6.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तक है। हाल ही में कंपनी ने नई फेसलिफ्ट Tiago NRG को लॉन्च किया है जिसकी कीमत 6.57 लाख रुपये है। माइलेज के मामले में भी ये कार बेहद ही शानदार है, सामान्य तौर पर ये कार 23 से 24 किलोमीटर प्रतिलीटर तक का माइलेज देती है।

मिलते हैं ये ख़ास फीचर्स: टियागो में कंपनी ने इसकी कीमत के अनुसार बेहतर फीचर्स को शामिल किया है। इस कार में 15 इंच का अलॉय व्हील, वाइपर के साथ रियर डिफॉगर, एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ कनेक्ट होने वाला 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, हरमन ब्रांड का बेहतरीन 8-स्पीकर साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और ए कूल्ड ग्लोवबॉक्स दिए गए हैं। वहीं ऑटोमेटिक (AMT) वैरिएंट में कुछ अतिरिक्त फीचर्स भी मिलते हैं, जिसमें क्रीप फंक्शन और एक स्पोर्ट मोड शामिल है। जहां तक सेफ्टी की बात है तो इस कार में इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रिब्यूशन (EBD) के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS), रियर पार्किंग सेंसर, डुअल फ्रंट एयरबैग, स्पीड अलर्ट सिस्टम और कॉर्नर स्टैबिलिटी कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।

नोट: यहां पर डिस्काउंट के बारे में जो जानकारी दी गई है वो मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है। देश के अलग-अलग लोकेशन और डीलरशिप के अनुसार इसमें भिन्नता संभव है। इसलिए छूट के बारे में पूरी जानकारी के लिए अपने नजदीकी डीलरशिप से संपर्क जरूर करें।

अगला टारगेट काबुल? तालिबान ने जमाया गजनी शहर पर कब्जा, राजधानी से ज्यादा दूर नहीं

अफगान सुरक्षाबल तालिबान के आगे पस्त दिख रही है और अब अमेरिका ने भी चिंता जाहिर की है कि काबुल अगले 90 दिनों के अंदर तालिबान के कब्जे में आ जाएगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अफगानिस्तान के बड़े और अहम प्रांतों की राजधानियों पर लगातार तालिबान का कब्जा होता जा रहा है। अब तालिबान ने अफगान के गजनी शहर पर कब्जा कर लिया है। तालिबान की यह पकड़ा इसलिए भी चिंता बढ़ा रही है क्योंकि वह देश की राजधानी काबुल के करीब पहुंच गया है। गजनी शहर काबुल से सिर्फ 150 किलोमीटर ही दूर है। गजनी दसवीं प्रांतीय राजधानी है, जिसपर इसी हफ्ते तालिबान ने अपना कब्जा किया है। अफगान सुरक्षाबल तालिबान के आगे पस्त दिख रही है और अब अमेरिका ने भी चिंता जाहिर की है कि काबुल अगले 90 दिनों के अंदर तालिबान के कब्जे में आ जाएगा। गजनी के प्रांतीय परिषद के प्रमुख नासिर अहमद फकीरी ने कहा का कि तालिबान ने गवर्नर ऑफिस, पुलिस मुख्यालय और जेल जैसे शहर के अहम इलाकों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के कई हिस्सों में अफगान सेना के साथ संघर्ष जारी है लेकिन अधिकांश हिस्सा इस वक्त लड़ाकों के नियंत्रण में दिख रहा है। समाचार

एजेंसी एएफपी ने इसकी पुष्टि के लिए तालिबान से संपर्क किया। तालिबान के प्रवक्ता की ओर से सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में इसकी पुष्टि की गई है कि गजनी शहर अब तालिबान के नियंत्रण में आ गया है। गजनी शहर काहुल-कंधार के बीच अहम हाईवे के साथ बसा हुआ है। माना जा रहा है कि इस शहर पर तालिबान के कब्जे के बाद अफगान सुरक्षाबलों पर दबाव और बढ़ेगा। एक हफ्ते से भी कम समय में कम-से-कम 10 प्रांतीय राजधानियों पर तालिबान ने चढ़ाई कर दी है।

अमेरिकी अफसर का दावा, 90 दिनों में काबुल पर कब्जा कर लेगा तालिबान

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, एक अमेरिकी सुरक्षा अधिकारी ने देश के खुफिया सूत्रों का हवाला देते हुए यह अनुमान पेश किया था कि तालिबान अगले एक महीने के अंदर राजधानी काबुल को अलग-थलग कर देगा और अगल 90 दिनों के अंदर वह राजधानी पर कब्जा कर लेगा।

इमरान खान के खिलाफ पाकिस्तान के पश्तूनों ने खोला मोर्चा, तालिबान का समर्थन करने पर विरोध प्रदर्शन

पाकिस्तान की इमरान खान सरकार अफगानिस्तान में तालिबान को बढ़ावा देने को लेकर पूरी तरह घिरती जा रही है। पाकिस्तान में मौजूद पश्तूनों ने अब इमरान खान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पश्तून सड़कों पर उतरकर इमरान खान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पश्तून अफगानिस्तान का खुल कर समर्थन कर रहे है। पश्तून तहफूज मूवमेंट (पीटीएम) के सदस्य पिछले कुछ हफ्तों से कई प्रक्षेत्रों में अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मूवमेंट के सदस्य तालिबान का जमकर विरोध कर रहे हैं और अफगानी सरकार को समर्थन देने की बात कह रहे हैं। थाइलैंड की 'Haiger media' ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि पीटीएम ने पाकिस्तान के नॉर्थवेस्ट इलाके में अपनी अच्छी पैठ बनाई है। पीटीएम देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने को लेकर भी इमरान खान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। पाकिस्तान में नॉर्थवेस्टर्न क्षेत्र के पश्तून मानते हैं कि अफगानिस्तान की खराब होती हालत के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है। उनका यह भी मानना है कि आतंकवादी संगठनों के पीछे इस्लामाबाद का सपोर्ट है। उनका मानना है कि इस्लामाबाद में बैठी सरकार लंबे समय से आतंकवादियों का समर्थन कर रही है और अब तालिबान में आतंकवादियों को हथियार और अन्य सपोर्ट मुहैया करा रही है। मीडिया में आई रिपोर्ट के मुताबिक पीटीएम के सदस्य तालिबान और इस्लामाबाद पर यह भी आरोप लगा रहे हैं कि उनके क्षेत्र में भी आतंकवादी गतिविधियों के पीछे तालिबान और इस्लामाबाद का ही हाथ है।

न्यूज ब्रीफ

न चाहते हुए भी सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर बन गया चीन, जानें- कैसे काट कर सकता है भारत

नई दिल्ली। अलवान झड़प के बाद से भारत में चीन विरोधी भावना मजबूत हुई है। भारत सरकार भी चीन को लेकर आक्रामक दिखी है। लेकिन इस सबके बावजूद भारत की निर्भरता चीन पर बनी हुई है। दोनों देशों के बीच 2020-2021 में 86.4 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय ट्रेड हुआ है। ये 5.53 फीसद की बढ़ोतरी है। इससे हुआ ये है कि अमेरिका को पीछे छोड़ कर चीन, भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर बन गया है। इसमें दिलचस्प ये है कि भारत, चीन के साथ ट्रेड में बढ़ोतरी करने वाला एकमात्र देश है। भारत, अमेरिका के बीच ट्रेड 9.5 फीसद घटकर 80.5 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। दुनिया के साथ भारत का कुल व्यापार भी 13 फीसद से अधिक घटकर 684.77 बिलियन डॉलर पर पहुंच है।

पॉलिसी के स्तर पर काम करने की ज़रूरत: इकॉनोमिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत सरकार को पॉलिसी के स्तर पर बहुत काम करने की ज़रूरत है। गलवान के बाद किए गए अस्थायी उपायों से कुछ हद तक मदद मिली है लेकिन पॉलिसी के स्तर पर बेहतर प्लानिंग की ज़रूरत है। बिजनेस टुडे से बात करते हुए केयर रेटिंग्स के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस बताते हैं कि चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत को यूरोप और अमेरिका के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

दिमाग पर बड़ा असर कर जाता है कोरोना, सोच-समझ भी हो जाती है कमजोर; 80 हजार लोगों पर हुए स्टडी से खुलासा

लंदन। कोरोना वायरस शरीर में एक बार प्रवेश कर जाए तो यह कई तरीकों से नुकसान पहुंचाता है। संक्रमण खत्म होने के बाद भी कई तरह के असर लंबे समय तक बने रहते हैं। अब एक नई स्टडी में पता चला है कि संक्रमण से मात दे चुके लोगों की सोचने-समझने या ध्यान केंद्रित करने जैसी शक्ति भी कमजोर हो जाती है। 80 हजार से अधिक लोगों पर हुए इस अध्ययन से ये बातें सामने आई हैं। जर्नल में प्रकाशित रिसर्च में कहा गया है कि कोविड-19 के गंभीर लक्षण झेल चुके लोगों की जब परीक्षा ली गई तो उन्हें कम अंक मिले। खासकर रीजनिंग और प्रॉब्लम सोल्विंग टास्क पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। डेटा के विस्तृत विश्लेषण से संकेत मिलता है कि सांस लेने में मदद के लिए जिन लोगों ने मैकेनिकल वेंटिलेशन का सहायता ली, उन्हें अधिक नुकसान हुआ है। ब्रिटेन में इंपीरियल कॉलेज लंदन से जुड़े और स्टडी रिपोर्ट के अग्रणी लेखक एडम हैंपशाइर ने कहा, हमारे अध्ययन में कोविड-19 के विभिन्न पहलुओं को देखा गया जो मस्तिष्क और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। विभिन्न पहलुओं को देखते हुए अनुसंधान से संकेत मिलता है कि मस्तिष्क पर कोविड-19 के कुछ महत्वपूर्ण प्रभाव होते हैं जिसमें आगे पड़ताल की आवश्यकता है।

हिमाचल में गिरा मुसीबतों का पहाड़: किन्नौर लैंडस्लाइड हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत, 13 रेस्क्यू किए गए

25 लोग और दबे होने की आशंका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज किन्नौर

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में बुधवार को एक बार फिर लैंडस्लाइडिंग होने से बड़ा हादसा हो गया। शिमला-किन्नौर नेशनल हाईवे-5 पर ज्यूरी रोड के निगोसारी और चौरा के बीच अचानक एक पहाड़ दरक गया। जिससे चट्टानें एक बस और कुछ गाड़ियों पर जा गिरीं। मलबे से 3 शव और निकाले गए हैं। इसके बाद मृतकों की संख्या 13 हो गई है। वहीं 13 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी मलबे में 25 लोग और फंसे हो सकते हैं। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और NDRF की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। वहीं ITBP को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया है। मलबे में दबी बस हिमाचल रोडवेज की है, जो मूरंग से हरिद्वार जा रही थी। इसके अलावा एक ट्रक, बोलेरो और 3 टैक्सी भी चट्टानें गिरने से दब गई थीं। हिमाचल सरकार ने रेस्क्यू के लिए उत्तराखंड और हरियाणा सरकार से हेलिकॉप्टर मांगे हैं। आर्मी ने भी अपने दो हेलिकॉप्टर भेजे हैं। इस हादसे में बस के कंडक्टर मोहेंद्र पाल और ड्राइवर गुलाब सिंह सुरक्षित हैं। ये दोनों सड़क पर पहले से गिरे पत्थर देखने के लिए बस से बाहर निकले थे। इसी दौरान पहाड़ से मलबा गिर गया और बस दब गई। दोनों ने भागकर अपनी जान बचा ली। कंडक्टर का कहना है कि बस में 25 सवारियां थीं।

ड्राइवर-कंडक्टर ने सुनाई हादसे की आंखों देखी

बस कंडक्टर महेंद्र पाल ने बताया, बस में करीब 25 यात्री सवार थे। जैसे ही हम निगुलसेरी पहुंचे, तो देखा कि सामने पहाड़ी से चट्टानें गिर रही हैं। हमने बस को 100 मीटर पीछे ही रोक दिया। यहीं पर कार और ट्रक समेत दूसरी गाड़ियां भी रुक गईं। इसके बाद अचानक पहाड़ी चट्टानें सभी गाड़ियों पर गिर गईं।

ड्राइवर गुलाब सिंह ने बताया, यह अंदाजा लगाना मुश्किल था कि बस यहां से गुजर पाएगी या नहीं। ऐसे में मैं और कंडक्टर बस से उतर कर पैदल सड़क पर चल पड़े। जैसे ही थोड़े आगे निकले, चट्टानें गिरनी शुरू हो गईं। हम दोनों पीछे की तरफ भागे और सड़क किनारे एक जगह पर छिप गए। इसके बाद भारी भरकम चट्टानें और मलबा बस समेत दूसरे वाहनों पर गिर गए। वो माहौल बेहद डरावना था।

किन्नौर में पिछले महीने भी हुआ था भूस्खलन: 25 जुलाई को किन्नौर में भूस्खलन के बाद पहाड़ी से चट् ?टानें इतनी तेजी से नीचे गिरीं कि बस्पा नदी का पुल टूट गया था। इस हादसे में 9 टूरिस्ट्स की मौत हो गई थी।

बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए 5 नवंबर से पहले विधानसभा का सदस्य बनना होगा

नंदीग्राम पर सुनवाई 15 नवंबर तक टली, मुख्यमंत्री बने रहने को ममता बनर्जी को किसी और सीट से जीतना ही होगा चुनाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर शुभेंदु अधिकारी से मिली हार को हाईकोर्ट में चुनौती देने वालीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का इंतजार और बढ़ गया है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले की सुनवाई 15 नवंबर तक टाल दी है। सुनवाई टलने से यह भी तय हो गया है कि मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए ममता बनर्जी को किसी और सीट से चुनाव जीतना होगा।

ममता के पास बचे 85 दिन

ऐसे में तृणमूल कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग से बार-बार अपील की जा रही है कि खाली हुई सीटों पर जल्द उपचुनाव कराया जाए। नंदीग्राम सीट से हारकर मुख्यमंत्री बनीं ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए 5 नवंबर से पहले विधानसभा का सदस्य बनना होगा। टीएमसी को डर है कि यदि कोरोना महामारी की वजहों से यदि उपचुनाव में देरी हुई तो ममता को इस्तीफा देना होगा।

शुभेंदु के जाल में फंसीं

विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद भवानीपुर सीट से जीते टीएमसी विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने यह सीट छोड़ दी है, ताकि ममता बनर्जी यहां से लड़ सकें। ममता बनर्जी 2011 से इस सीट पर दो बार विधायक बन चुकी हैं। लेकिन इस बार अपने पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी को चुनौती देते हुए ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट से लड़ीं। लेकिन चुनाव पूर्व घोषणा के मुताबिक, अधिकारी ने इस सीट से जीत हासिल की। ममता बनर्जी को नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के मुकाबले 2,000 वोटों से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। हालांकि उनका कहना था कि यह परिणाम गलत है और प्रशासन ने बीजेपी के दबाव में गलत परिणाम घोषित किया है। इस परिणाम को चुनौती देते हुए ममता बनर्जी ने हाई कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद अदालत ने बीजेपी और शुभेंदु अधिकारी को 14 जुलाई को नोटिस जारी किया था। यही नहीं आखिरी सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी भी ऑनलाइन मौजूद थीं। हाई कोर्ट बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग को इलेक्शन से जुड़े सभी रिकॉर्ड्र्स और दस्तावेजों को सुरक्षित रखे को कहा था। बता दें कि ममता बनर्जी को 32 साल में पहली बार चुनावी समर में हार का सामना करना पड़ा है। परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद ही टीएमसी ने एक बार फिर से मतगणना कराने की मांग की थी, लेकिन चुनाव आयोग ने इसे खारिज कर दिया था।

2024 की तैयारी में जुटा विपक्ष

ममता के बाद अब सोनिया करेंगी विपक्षी नेताओं से बात; दीदी के अलावा उद्धव और स्टालिन भी वर्चुअल मीटिंग में रहेंगे मौजूद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 20 अगस्त को ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे और विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई है। ह्ष्ट्क्क चीफ शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्ू्य स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस वर्चुअल मीटिंग में बुलाया गया है। माना जा रहा है कि विपक्ष की मजबूत एकता दिखाने के मकसद से यह बैठक बुलाई गई है। इस दौरान आने वाले दिनों में दिल्ली में लंच या डिनर पर विपक्षी नेताओं की मुलाकात की तारीख तय हो सकती है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, कांग्रेस चाहती है कि विपक्ष की एकजुटता को और अधिक मजबूत किया जाए और आने वाले चुनावों तक इसे बनाए रखें। सोनिया की कोशिश है कि 2024 लोकसभा इलेक्शन तक क्चछ्वक्क के खिलाफ एक मजबूत विपक्ष तैयार हो। माना जा रहा है कि इस रणनीति पर विपक्षी पार्टियां भी सहमत हैं। अगले साल क्क में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी योगी सरकार के खिलाफ कांग्रेस मजबूत गठबंधन बनाने की कोशिश में है। हाल ही में ममता बनर्जी और शरद पवार ने विपक्ष के अलग-अलग नेताओं से मुलाकात की थी। वहीं,

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मानसून सेशन के दौरान 17 विपक्षी पार्टियों के नेताओं को ब्रेकफास्ट पर बुलाया था। बसपा और आम आदमी पार्टी के नेता इस ब्रेकफास्ट डिप्लोमेसी में शामिल नहीं हुए।

कपिल सिब्बल के घर पर विपक्ष की बैठक: कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने भी हाल में शरद पवार, राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना के संजय राउत, तृणमूल के डेरेक ओ ब्रायन और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के साथ मीटिंग की थी। इसमें भाजपा के पूर्व सहयोगी अकाली दल और नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को भी बुलाया गया था। इस दौरान गांधी परिवार का कोई नेता मौजूद नहीं रहा।

मानसून सत्र में दिखी विपक्षी दलों की एकजुटता: 15 से अधिक विपक्षी दलों ने मानसून सत्र के दौरान संसद में संयुक्त मोर्चा बनाया, जो लगातार पेगासस जासूसी कांड, कृषि कानूनों और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर हंगामा करता रहा। हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही हर दिन बाधित होती रही। बिना बहस के ही सदन में कई बिल पास हो गए।

राहुल गांधी समेत करीब 15 विपक्षी दलों ने मार्च निकाला

सेशन खत्म होने के बाद गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत करीब 15 विपक्षी दलों ने संसद से विजय चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान विपक्ष ने सरकार पर लोकतंत्र की मर्यादा भंग करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि राज्यसभा में पहली बार सांसदों को पीटा गया। शिवसेना, राकांपा, राजद, समाजवादी पार्टी, DMK और अन्य विपक्षी दलों का कहना था कि राज्यसभा में बुधवार को लोकतंत्र की हत्या कर दी गई।

दिल्ली में फिर दरिंदगी: त्रिलोकपुरी इलाके में 6 साल की दलित लड़की से गैंगरेप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में बुधवार रात 6 साल की दलित बच्ची से दो लोगों ने गैंगरेप किया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। परिवार ने पुलिस पर स्न्रढ्ढक्र दर्ज करने में टालमटोल करने का आरोप लगाया है। बच्ची की एक रिश्तेदार ने बताया, 'वह रोते हुए घर आई। हाथ उसी की फ्रॉक से बांध दिए गए थे। उसने कहा कि उसे चोट लगी है। प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। दोबारा पूछा तो उसने कहा- दो लोगों ने मेरे साथ जबर्दस्ती की है। दुष्कर्मियों ने जुबान खोलने पर परिवार वालों को जान से मार देने की धमकी दी थी।'

पुलिस पर टालमटोल करने का आरोप: बच्ची के परिजन का आरोप है कि दिल्ली पुलिस स्न्रढ्ढक्र दर्ज करने में टालमटोल कर रही थी। उनका कहना था कि इससे परिवार की बदनामी हो जाएगी। हालांकि, पुलिस का दावा है कि घटना के तुरंत बाद FIR दर्ज कर ली गई थी।

आरोपी शादीशुदा पड़ोसी है

DCP प्रियंका कश्यप के मुताबिक, बच्ची का देर रात मेडिकल कराया गया। उसकी हालत ठीक है। ऐसे में उसे अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया। उसका बयान लिया गया है। 34 साल के एक पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेस का ट्विटर अकाउंट लॉक:ट्विटर के एक्शन पर कांग्रेस ने कहा- हम नहीं डरेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कांग्रेस ने दावा किया है कि पार्टी का ऑफिशियल ट्विटर हैंडल लॉक कर दिया गया। इंडियन नेशनल कांग्रेस ने फेसबुक पर लिखा, %जब हमारे नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, हम तब नहीं डरे तो अब ट्विटर अकाउंट बंद करने से क्या खाक डरेंगे। हम कांग्रेस हैं, जनता का संदेश है, हम लड़ेंगे, लड़ते रहेंगे। अगर बलात्कार पीड़ित बच्ची को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाना अपराध है, तो यह अपराध हम सौ बार करेंगे। जय हिंद...सत्यमेव जयते। इससे पहले

राहुल गांधी, रणदीप सुरजेवाला, अजय माकन, मणिकम टैगोर, जितेंद्र सिंह और सुष्मिता देव का अकाउंट भी ट्विटर लॉक कर चुका है।

कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया था कि राहुल गांधी का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड किया गया है। हालांकि, बाद में कहा कि यह लॉक किया गया था। बाद में बुधवार रात कांग्रेस ने उसके पांच और सीनियर लीडर्स के ट्विटर अकाउंट लॉक किए जाने का दावा किया। इनमें पार्टी महासचिव और पूर्व मंत्री अजय माकन, लोकसभा में पार्टी के व्हिप मणिकम टैगोर, असम प्रभारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुष्मिता देव शामिल हैं। मुंबई कांग्रेस कमेटी का भी ऑफिशियल ट्विटर हैंडल को लॉक हुआ। कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष चरण सिंह सपरा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिय जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस मामले में वह ट्विटर को चिट्ठी लिखेंगे और अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

रेप पीड़िता के परिवार से मुलाकात की फोटो ट्वीट की थी: राहुल गांधी ने कुछ दिनों पहले दिल्ली कैंट रेप पीड़िता के परिवार से मुलाकात की फोटो ट्वीट की थी। इस पर माइक्रोब्लॉगिंग साइट का कहना था कि यह उसके नियमों का उल्लंघन है। ट्विटर ने राहुल के उस ट्वीट को हटा दिया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस ट्वीट को लेकर दिल्ली पुलिस और ट्विटर से शिकायत की थी। ह्रष्टक्क्रटक्र ने पीड़िता के परिवार की तस्वीर पोस्ट करने के लिए राहुल पर कार्रवाई की मांग की थी। आयोग का कहना था कि यह जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट का उल्लंघन है।

टूट गई हौसले की उड़ान:महाराष्ट्र के 8वीं पास मैकेनिक ने बनाया हेलिकॉप्टर, लेकिन टेस्टिंग के दौरान सिर पर पंखा गिरने से मौत

यवतमाल। महाराष्ट्र के यवतमाल के फुलसावंगी के रहने वाले शेख इस्माइल उर्फ मुन्ना ने 2 साल की कड़ी मेहनत के बाद एक हेलिकॉप्टर तैयार किया था। उन्होंने इसे %मुन्ना हेलीकॉप्टर नाम दिया था। इसके पूरी तरह बनने के बाद शेख इस्माइल को कॉन्फिडेंस था कि हेलिकॉप्टर जरूर उड़ेगा। बुधवार को मुन्ना इसे पूरे गांव के सामने उड़ाने वाला थे, लेकिन इससे पहले मंगलवार रात 2.30 बजे टेस्टिंग के दौरान इसका एक पंखा टूटकर मुन्ना के सिर पर जा लगा। इससे मुन्ना की मौके पर ही मौत हो गई। 8वीं पास मुन्ना की उम्र महज 24 साल थी और पेशे से मेकैनिक थे। वे दिन में एक गैरेज में वेल्डिंग का काम करते थे और रात में अपना सपना पूरा करने यानी हेलिकॉप्टर बनाने में जुट जाते थे। मुन्ना चाहते थे कि हर घर की पार्किंग में कार की जगह हेलीकॉप्टर खड़ा हो। उनके हुनर और उनके परिवार के बारे में दुनिया जान पाती उससे पहले ही परिवार में मातम छा गया है।

न्यूज ब्रीफ

पैर की चोट के कारण सिनसिनाटी टूर्नामेंट से भी हटे नडाल

सिनसिनाटी। टोरंटो में चल रहे हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट से हटने के बाद दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने कहा है कि वह बायें पैर में चोट के कारण सिनसिनाटी में होने वाली आगामी टेनिस प्रतियोगिता से भी हट रहे हैं। नडाल पिछले कुछ समय से पैर की चोट से परेशान हैं। सिनसिनाटी टूर्नामेंट से हटने के बाद 20 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नडाल के अमेरिकी ओपन से पहले किसी टूर्नामेंट में खेलने की संभावना नहीं है। नडाल जब 2019 में पिछली बार अमेरिकी ओपन में खेले थे तो उन्होंने खिताब जीता था। एड़ी की चोट से परेशान मिलोस राओनिक ने भी बुधवार को सिनसिनाटी टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इसके अलावा रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच, सेरेना विलियम्स, वीनस विलियम्स और सोफिया केनिन जैसे स्टार खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे। पैंतीस साल के नडाल पिछले हफ्ते वाशिंगटन में खेले थे। उन्होंने तीन सेट में जैक सॉक को हराया था लेकिन लॉयड हैरिस के खिलाफ तीन सेट में हार गए थे। इन दोनों ही मुकाबलों में नडाल पैर की चोट से परेशान दिख रहे थे।

स्लो ओवर रेट के कारण ICC ने WTC में काटे 2 अंक, कप्तान विराट कोहली ने कही ये बात

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। ये सीरीज 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। लेकिन पहला मैच बारिश के कारण ड्रॉ रहने के कारण आईसीसी ने दोनों टीमों पर स्लो ओवर रेट के कारण 40त्न फाइन और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप से 2 अंक काट लिए। इस पर भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि एक टीम एक रूप में हम खुश नहीं हैं, क्योंकि ऐसी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं है। दूसरे टेस्ट से पूर्व प्रेस कान्फ्रेंस में इस बारे में बात करते हुए कोहली ने कहा, हमने दूसरी पारी के अंत में काफी ओवर किए, लेकिन हम 2 ओवर पीछे रह गए। मूल्य रूप से हमें यही करना है। हमें खेल की गति को बनाए रखने की जरूरत है। सभी छोटी चीजें जहां हम 10-15 सेकंड बचा सकते हैं, वही मायने रखती है। हमने दूसरी पारी में प्रयास किया और हम तीन या चार ओवरों को कवर करने में सफल रहे। आप उस स्थान से बहुत पीछे नहीं रहना चाहते जहां से आप उसे पकड़ नहीं सकते। गौर हो कि आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नियमों के अनुसार अनुच्छेद 16.11.2 के तहत प्रत्येक ओवर के लिए एक डिमेट अंक काटा जाया है। ऐसे में दोनों टीम के 2-2 अंक काटे गए। दोनों टीमों के कप्तानों (जो रूट और विराट कोहली) ने अपनी गलती स्वीकार की जिस कारण आधिकारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

नीरज की वर्ल्ड रैंकिंग में इजाफा

टोक्यो गोल्डन बॉय जेवलिन थ्रोअर वर्ल्ड नंबर -2 पर पहुंचे; ओलिंपिक से पहले 16 वें पायदान पर थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टोक्यो ओलिंपिक में जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतने वाले भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की वर्ल्ड रैंकिंग में भी इजाफा हुआ है। वह वर्ल्ड नंबर -2 पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर जर्मनी के जोहानस वेटर हैं। नीरज के 1315 पॉइंट हैं, जबकि वेटर के 1396 पॉइंट हैं। पोलैंड के मार्सिन ऋुकोवस्की तीसरे, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेजच चौथे और जर्मनी के जूलियन वेबर पांचवें नंबर पर हैं। नीरज ने टोक्यो खेलों में 87.58 मीटर जेवलिन फेंककर देश को ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में पहला ओलिंपिक मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक में भारत की ओर से इंडिविजुअल में गोल्ड मेडल जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। 13

साल पहले 2008 में बीजिंग ओलिंपिक में अभिनव बिंद्रा ने 10 मीटर राइफल में देश के लिए गोल्ड मेडल जीता था।

नीरज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 7 मेडल जीत चुके हैं

नीरज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 7 बड़े टूर्नामेंट में मेडल जीत चुके हैं। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीतने के अलावा वे 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स, गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स, 2017 में एशियन चैंपियनशिप, 2016 में साउथ एशियन गेम्स, 2016 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। जबकि 2016 में जूनियर एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

नीरज का लक्ष्य वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतना

नीरज चोपड़ा सभी बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। वह ओलिंपिक सहित कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में भी देश के लिए गोल्ड मेडल जीत चुके हैं, लेकिन वह अब तक वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए हैं। वह 2016 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। सीनियर में उन्हें अब तक कामयाबी नहीं मिली है।

टोक्यो 2020 में कांस्य विजेता हॉकी टीम के सदस्य विवेक सागर का भोपाल के राजा भोज हवाई अड्डे पर आगमन पर एमपी स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों द्वारा स्वागत किया गया।

टोक्यो पैरालंपिक में उप्र के 7 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम, 24 अगस्त से मुकाबला

» बैडमिंटन में IAS सुहास एलवाई, आर्चरी में मेरठ के विवेक, एयर पिस्टल में इटावा के अजीत और संभल के दीपेंद्र पर टिकी निगाहें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टोक्यो ओलिंपिक-2020 में शानदार प्रदर्शन के बाद अब पश्चिमी यूपी के पैरा खिलाड़ियों की टीम देश को पदक दिलाने के लिए तैयार है। 24 अगस्त से टोक्यो में पैरालंपिक-2020 का आगाज हो रहा है। पैरालंपिक में नोएडा से छ्वरू सुहास एलवाई, गौतमबुद्धनगर के एथलीट हाई जंपर वरुण भाटी, मेरठ के आर्चर विवेक चिकारा, मुजफ्फरनगर की आर्चर ज्योति बालियान, इटावा के अजीत सिंह यादव, संभल के दीपेंद्र सिंह का 10 मीटर एयर पिस्टल में और बागपत के आकाश का निशानेबाजी के लिए चयन हुआ है। ये खिलाड़ी अपने दल के साथ टोक्यो के लिए रवाना होंगे।

वरुण भाटी दूसरी बार ले रहे हिस्सा

गौतमबुद्धनगर में जमालपुर के एथलीट वरुण भाटी हाई जंपर हैं। ऋ्रुह्व 2016 पैरालंपिक में देश को ब्रांज मेडल दिला चुके हैं, इस बार फिर वरुण ने पैरालंपिक 2020 के लिए क्वालीफाई किया है। 22 अगस्त को वे रियो रवाना होंगे, इन दिनों दिल्ली में अभ्यास कर रहे हैं। वरुण अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं, जो लगातार दूसरी बार पैरालंपिक में यूपी से भाग ले रहे हैं। 26 वर्षीय पैरा खिलाड़ी वरुण भाटी का जन्म 1995 में हुआ था। बचपन में ही वह पोलियो के शिकार हो गए थे, इससे उनका एक पैर खराब हो गया था। 2014 में इंचियोन पैरा एशियाई खेल में पांचवां स्थान हासिल किया था। इसी साल उन्होंने चीन ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर परचम लहराया था। 10 सितंबर 2016 को रियो पैरालंपिक के दौरान पुरुष वर्ग में 1.86 मीटर की ऊंची कूद लगाकर कांस्य पदक जीता था। वरुण फिलहाल दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में कोच सत्यपाल के संरक्षण में अभ्यास कर रहे हैं।

विवेक चिकाराः एक्सीडेंट में गंवाना पड़ा एक पैर

मेरठ के तीरंदाज विवेक चिकारा पैरालंपिक में ओपन मुकाबले में भाग लेंगे। तीरंदाजी में एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर विवेक ने टोक्यो का टिकट हासिल किया था। एशियन चैंपियनशिप के बाद ही विवेक की एशियन रैंकिंग नंबर वन हो गई थी। पैरा तीरंदाज विवेक चिकारा का 2017 में एक्सीडेंट हो गया, जिसमें एक पैर गंवाना पड़ा। मेरठ के गुरुकुल प्रभात आश्रम में कोच सत्यदेव प्रसाद ने विवेक की प्रतिभा को पहचाना और तीरंदाज बनाया।

सुहास एल वाईः पुरुषों में दुनिया में दूसरे नंबर के खिलाड़ी

2007 कैडर के आईएएस अधिकारी सुहास पुरुषों की पैरा बैडमिंटन सिंगल्स में विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2018 में हुए एशियन पैरा गेम्स में कांस्य पदक जीता था। सुहास एल वाई लंबे समय से इस पैरालंपिक के लिए अभ्यास कर रहे हैं और वे बैडमिंटन के मुकाबले में भाग लेंगे।

लॉर्ड्स टेस्ट से पहले इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका

चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर हुए स्टुअर्ट ब्रॉड

एंडरसन के दूसरे टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच आज से लॉर्ड्स के मैदान पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरे मुकाबला खेला जाना है, लेकिन इस मैच से पहले मेजबान इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। ब्रॉड काफ इंजरी के कारण भारत के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं।

स्टुअर्ट ब्रॉड के बाहर हो जाने की जानकारी खुद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्च) ने दी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने बयान जारी कर कहा, 'बुधवार को लंच के समय लंदन में उनका एमआरआइ स्कैन हुआ, जिसमें उनकी चोट का पता चला और वे टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।'

अभ्यास के दौरान हुए थे चोटिल

35 वर्षीय स्टुअर्ट ब्रॉड को मंगलवार दोपहर अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। पहले ऐसा माना जा रहा था कि ब्रॉड सिर्फ लॉर्ड्स टेस्ट से बाहर रहेंगे, लेकिन अब वह पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। तेज गेंदबाज का बाहर होना वाकई में इंग्लैंड के लिए एक बड़ा झटका है। इंग्लैंड ने स्टुअर्ट ब्रॉड के कवर के रूप में लंकाशायर के तेज गेंदबाज साकिब महमूद को अपने साथ जोड़ लिया है। इंग्लैंड के लिए दूसरी परेशानी की बात ये है कि, टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के खेलने पर भी सस्पेंस बना हुआ है।

ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन का गुवाहाटी के बोरजार के लोकोप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा स्वागत किया गया।

SUPER
HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

खिलाड़ियों पर भारी पड़ता तनाव : डिप्रेशन झेलते हुए भी सचिन ने नहीं छोड़ा था खेलना, आज के खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ्य के चलते ले रहे हैं ब्रेक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

डिप्रेशन आज एक आम समस्या बनता जा रहा है। आम लोग ही नहीं बल्कि तमाम खिलाड़ी भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। हालांकि ये समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन अब कह सकते हैं कि इस मुद्दे पर गंभीरता के साथ ध्यान दिया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि अब कई खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ्य के लिए ब्रेक ले रहे हैं। हाल ही में बेन स्टोक्स ने भी ऐसा ही कारण देते हुए अनिश्चितकाल के लिए ब्रेक लिया। वहीं, हात ही में समाप्त हुए टोक्यो ओलिंपिक में भी अमेरिका की दिग्गज जिमनास्ट सिमोन बाइल्स ने भी मनोवैज्ञानिक दबाव से जुड़ी परेशानियों के कारण फाइनल से हटने का फैसला किया था।

लेकिन क्या इस तरह खिलाड़ियों का यूं ब्रेक लेना सही है? जबकि अपने उम्दा क्रिकेट करियर में सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज खिलाड़ी ने खुद सामने आकर एक बार ये बयान दिया था कि उन्होंने अपना आधा हिस्सा डिप्रेशन में गुजरा, लेकिन फिर भी उन्होंने कभी खेलना नहीं छोड़ा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शतकों का शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा कि, 'समय के साथ मैंने महसूस किया कि खेल के लिए शारीरिक रूप से तैयारी करने के साथ आपको खुद को मानसिक रूप से भी तैयार करना होगा। मेरे दिमाग में मैदान में प्रवेश करने से बहुत पहले मैच शुरू हो जाता था। तनाव का स्तर बहुत अधिक रहता था।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने 10-12 वर्षों तक तनाव महसूस किया था। मैच से पहले कई बार ऐसा हुआ था, जब मैं रात में सो नहीं पाता था। बाद में मैंने यह स्वीकार करना शुरू कर दिया कि यह मेरी तैयारी का हिस्सा है। मैंने समय के साथ इस स्वीकार कर लिया कि मुझे रात में सोने में परेशानी होती थी। मैं अपने दिमाग को सहज रखने के लिए कुछ और करने लगता था।'

मैच से एक दिन पहले करते थे बैग तैयार

200 टेस्ट मैच खेलने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने कहा, 'मुझे मैच से पहले चाय बनाने, कपड़े इस्त्री करने जैसे कार्यों से भी खुद को खेल के लिए तैयार करने में मदद मिलती थी। मेरे भाई ने मुझे यह सब सिखाया था, मैं मैच से एक दिन पहले ही अपना बैग तैयार कर लेता था और यह एक आदत सी बन गई थी। मैंने भारत के लिए खेले अपने आखिरी मैच में भी ऐसा ही किया था।' सचिन तेंदुलकर ने तो तनाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, लेकिन मौजूदा समय के कई खिलाड़ी डिप्रेशन का शिकार होने के चलते क्रिकेट या अन्य खेल से अनिश्चितकाल का ब्रेक ले रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब उड़ान के दौरान टैक्सी बुक कर सकते हैं स्पाइसजेट के यात्री

नई दिल्ली। बजट एयरलाइन स्पाइसजेट ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके यात्री अब एयरलाइन के इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट मंच स्पाइसस्क्रीन का इस्तेमाल करके अपनी उड़ान के दौरान हवाई अड्डे के बाहर जाने के लिए टैक्सी बुक कर सकते हैं। नयी सेवा पहले चरण में, 12 अगस्त से दिल्ली हवाई अड्डे पर आने वाले यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। एयरलाइन आगे मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, गोवा, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद और पुणे सहित सभी प्रमुख हवाई अड्डों पर चरणबद्ध तरीके से इस सेवा का विस्तार करेगी। एयरलाइन ने कहा कि घरेलू विमानन उद्योग में अपनी तरह की यह पहली पहल यात्रियों को टैक्सी ट्रांसफर क्षेत्र में आगमन के बाद अपने परिवहन के लिए इंतजार से बचने में मदद करेगी। यात्री के स्पाइसस्क्रीन पर टैक्सी बुक करने के बाद हवाई अड्डे पर आगमन के साथ उनके मोबाइल फोन पर एसएमएस, व्हाट्सएप और स्वचालित इनबाउंड कॉल की पुष्टि के माध्यम से टैक्सी बुकिंग ओटीपी संदेश मिलेगा। यह ग्राहकों को यात्रा के अंत में किसी भी भुगतान विकल्प (ऑनलाइन या नकद) के माध्यम से भुगतान करने की सुविधा भी देगा। स्पाइसजेट ने पिछले साल अगस्त में एक कॉम्प्लिमेंटरी इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम स्पाइसस्क्रीन शुरू किया था, जिसे यात्रियों के स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप जैसे उपकरणों से सीधे ऑनबोर्ड वायरलेस नेटवर्क से कनेक्ट करके एक्सेस किया जा सकता है। एयरलाइन ने कहा कि वह टैक्सी बुक करने के लिए इस विकल्प का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों को किराये में खास छूट भी देगी और किसी कारण से यात्री के टैक्सी में ना बैठने पर कोई कैंसलेशन शुल्क भी नहीं लेगी।

जुलाई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 45 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में 45 प्रतिशत बढ़कर सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में दो प्रतिशत घटकर 12,53,937 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में यह 12,81,354 इकाई थी। मोटरसाइकिलों की बिक्री पिछले महीने 8,37,096 इकाई रही, जो जुलाई 2020 में 8,88,520 इकाई थी, यानी इसमें छह प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी। स्कूटरों की बिक्री जुलाई 2020 के 3,34,288 इकाइयों से 10 प्रतिशत बढ़कर इस साल जुलाई में 3,66,292 इकाई हो गई। इसी तरह, तिपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 41 प्रतिशत बढ़कर 17,888 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 12,728 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों को छोड़कर सभी श्रेणियों में कुल बिक्री पिछले साल जुलाई के 14,76,861 इकाइयों की तुलना में 15,36,269 इकाई रही।

ईपीएफ और बैंक अकाउंट डिटेल्स मैच नहीं होने पर नहीं मिलेगा पैसा, ऑनलाइन ही इन्हें कर सकते हैं ठीक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

PF के दायरे में आने वाले कर्मचारियों के लिए यह काम की खबर है। कुछ लोगों के क्क्न स्टेटमेंट में नाम या जन्मतिथि आधार में दी गई जानकारी से मेल नहीं खाती है। ऐसे में उन्हें PF अकाउंट से फंड निकालते में परेशानी होती है। कई सदस्यों की बर्थ डेट गलत दर्ज है। कई के खाते में पिता का नाम नहीं लिखा है।

ईपीएफ ऑनलाइन सुविधा

पहले बदलाव करने के लिए कर्मचारी व एम्प्लॉयर दोनों को ज्वॉइंट रिक्वेस्ट देनी होती थी। अब ईपीएफओ ने ऑनलाइन रिक्वेस्ट की सुविधा दी है। कर्मचारी से रिक्वेस्ट मिलने के बाद सिस्टम उसकी तुलना आधार डाटा से करेगा। वेरिफिकेशन के बाद यह रिक्वेस्ट नियोक्ता के लॉगइन पर भेजी जाएगी। इसके बाद बदलाव की प्रक्रिया की जाएगी।

ऑनलाइन सही कराने की प्रोसेस

ईपीएफओ के यूनिफाइड पोर्टल पर जाएं। यूएएन और पासवर्ड डालकर लॉगइन करें।

होम पेज पर मैनेज मोडिफाई बेसिक डिटेल्स पर जाएं। यदि आधार वेरिफाइड है तो डिटेल्स एडिट नहीं होगी।

सही डिटेल्स भरें (जो आपके आधार में दर्ज है), इसके बाद सिस्टम इसे आधार डाटा से वेरिफाई करेगा।

डिटेल्स भरने के बाद अपडेट डिटेल्स पर क्लिक करें, जानकारी एम्प्लॉयर को अप्रूवल के लिए भेजी जाएगी।

एम्प्लॉयर पूरी करेंगे ये प्रक्रिया

एम्प्लॉयर पोर्टल पर लॉगइन कर मेंबर डिटेल्स चेंज रिक्वेस्ट पर क्लिक कर बदलावों को देख सकते हैं।

एम्प्लॉयर जानकारी चैक कर उसे अप्रूव करेंगे। अप्रूवल के बाद नियोक्ता स्टेटस अपडेट चैक कर सकते हैं।

इसके बाद नियोक्ता रिक्वेस्ट को ईपीएफओ ऑफिस भेजेंगे। जहां फील्ड ऑफिसर क्रॉस चैक करेंगे।

इसके बाद रीजनल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर ऑफिस से डीटेल सही होने पर अप्रूव कर दिया जाएगा।

ऑफलाइन कैसे करें सुधार?

अगर कोई ऑफलाइन अपने विवरण में सुधार करना चाहता है तो उसे इससे संबंधित फॉर्म भरकर और एम्प्लॉयर से भरवाकर ईपीएफओ ऑफिस में भेजना होगा। वहां उसकी डिटेल्स चैक करके, आपके खाते में अपडेट कर दी जाएगी। इस नंबर पर 7738299899 स्स्ह्र करके भी जानकारी ले सकते हैं। मेंबर्स रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 011-22901406 मिस्ड कॉल करके क्क्न खाते में कितना अमाउंट है, कितना बैलेंस है, यह जानकारी ली जा सकती है।

गलत डीटेल्स के कारण नहीं निकाल पाएंगे पैसा

अगर आपने ईपीएफओ में गलत बैंक डिटेल्स भर दी हैं तो आप क्क्न का पैसा नहीं निकाल सकेंगे। क्योंकि आप जो डिटेल्स ईपीएफओ में दर्ज कराते हैं उसी अकाउंट में आपका पैसा आता है। अगर आपकी बैंक डिटेल्स गलत होंगी तो आपका क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। ईपीएफओ के पास दर्ज बैंक अकाउंट सही हो और वह अकाउंट, ह से लिंक्ड हो।

घाटे से मुनाफे में आई आईआरसीटीसी : जून तिमाही में 82.5 करोड़ का मुनाफा, आय में 84.8 फीसदी का इजाफा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन यानी ढ्ढक्रष्टस्ञ्ज ने फानेंशियल ईयर 2021-22 की जून तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। अप्रैल से जून के दौरान IRCTC घाटे से मुनाफे में आई है। कंपनी को जून तिमाही में 82.5 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है, जबकि पिछली साल की समान तिमाही में कंपनी को 24.6 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

आय में 84.8 फीसदी का इजाफा

कंपनी की आय में 84.8 फीसदी का इजाफा हुआ है। आय बढ़कर 244 करोड़ रुपए हो गई है, जोकि फाइनेंशियल ईयर 2020-21 की जून तिमाही में 132 करोड़ रुपए थी।

बोर्ड ने शेयर विभाजन को मंजूरी दी

एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक ढ्ढक्रष्टस्ञ्ज बोर्ड ने शेयर विभाजन को मंजूरी दे दी है। ढ्ढक्रष्टस्ञ्ज का एक शेयर

5 शेयर्स में विभाजित हो जाएगा। 10 रुपए की फेस वैल्यू वाला शेयर 5 में विभाजित होगा तो उसकी फेस वैल्यू 2 रुपए होगी। यह प्रस्ताव रेल मंत्रायल के पास भेजा गया है।

इंटरनेट टिकिट बुकिंग से होने वाला रेवेन्यू 300 फीसदी बढ़ा

केटरिंग सेगमेंट से रेवेन्यू में 37 फीसदी की गिरावट आई है। केटरिंग सेगमेंट से रेवेन्यू सालाना आधार पर 89 करोड़ रुपए से घटकर 56 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं इंटरनेट टिकिट बुकिंग से होने वाला रेवेन्यू 300 फीसदी बढ़कर 149 करोड़ रुपए हो गया है।

आमजेन इंडिया ने तमिलनाडु में पूर्ति ढांचे का विस्तार करने की घोषणा की

नई दिल्ली। आमेजन इंडिया ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु में इस साल भंडारण क्षमता को लगभग दोगुना कर अपने पूर्ति ढांचे का विस्तार करने की घोषणा की। इस पूर्ति ढांचे से राज्य में विक्रेताओं को करीब 44 लाख घन फुट का भंडारण स्थान मिलेगा। अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने कोयंबटूर में एक नया पूर्ति केंद्र (एफसी) और बड़े उपकरणों और फर्नीचर के लिए एक विशेष पूर्ति केंद्र शुरू किया है। कंपनी चेन्नई स्थित अपने मौजूदा केंद्र में अपनी भंडारण क्षमता को चौगुना भी करेगी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने औपचारिक रूप से इस पूर्ति केंद्र का उद्घाटन किया।

विदेश जाने में बढ़ी दिलचस्पी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

मई में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर ने विदेशी यात्रा पर रोक लगा दी थी लेकिन अब हालात बदले से नजर आ रहे हैं क्योंकि कई देश अब टीका लगवा चुके भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने लगे हैं। बीते मंगलवार को स्पेन ने उन भारतीयों के लिए दरवाजे खोल दिए जिन्होंने टीके की पूरी खुराक ले ली थी। इस तरह स्पेन भी फ्रांस, जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में शामिल हो गया जिन्होंने कुछ हफ्ते पहले ही ऐसा किया था। ऐसे में छुट्टियों पर जाने वाले भारतीय इसका फायदा उठा रहे हैं क्योंकि उनके सामने सीमित नॉन-स्टॉप उड़ानों, कम वीजा स्लॉट और कुछ जगहों पर कोवैक्सीन टीके लेने वालों को प्रवेश की मंजूरी न दिए जाने जैसी चुनौतियां भी हैं जिनसे उन्हें निपटना है। भारत में स्विट्जरलैंड टूरिज्म की उप निदेशक रितु शर्मा कहती हैं, %जून के अंत में लॉकडाउन खुलने के पहले ही दिन से स्विट्जरलैंड की यात्रा के लिए भारी मांग देखी गई।% वह कहती हैं, %होटल, रेस्तरां आदि सभी कोविड-19 के सख्त नियमों के साथ खोले गए हैं।% बाहरी क्षेत्रों में मास्क की जरूरत नहीं है लेकिन सार्वजनिक परिवहन में मास्क अनिवार्य है। स्विट्जरलैंड ने भी नियमों में संशोधन किया है और अब बिना टीका लगाए बच्चों के आगमन पर भी क्वारंटीन की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि वर्तमान में भारत और स्विट्जरलैंड के बीच सीधी विमान सेवा नहीं हैं इसीलिए पर्यटक एम्स्टर्डम या फ्रैंकफर्ट के रास्ते यात्रा कर रहे हैं। पिछले अक्टूबर से दक्षिण अफ्रीका बाहरी यात्रियों के लिए खुल गया है लेकिन सीधी उड़ान न होने की वजह से यात्रा में बाधा आ रही है। ऐसे में साउथ अफ्रीका टूरिज्म, ट्रैवल एजेंटों के साथ साझेदारी कर सितंबर से सेशेल्स के जरिये दो चार्टर उड़ान संचालित कर रहे हैं।

आपको गैस सिलेंडर पर सब्सिडी मिल रही है या नहीं, घर बैठे आसानी से कर सकते हैं पता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कई बार देखा जाता है कि लोगों को ये पता नहीं होता है कि उनके सिलेंडर पर सब्सिडी आ रही है या नहीं। इसके अलावा कितना पैसा सब्सिडी के रूप में वापस आ रहा है इसकी जानकारी भी लोगों को नहीं रहती है। अगर आपको भी इसकी जानकारी नहीं है तो आज हम आपको बता रहे हैं कि गैस सब्सिडी का पैसा आपके अकाउंट में जा रहा है या नहीं इसका पता कैसे लगाएं।

इंडेन ग्राहक इस तरह जानें गैस सब्सिडी का पैसा अकाउंट में आ रहा है या नहीं:

- इसके लिए सबसे पहले आपको अपने फोन में इंटरनेट ओपन करना होगा। फिर फोन के ब्राउजर पर जाएं। यहां आपको www.mylpg.in टाइप कर इसे ओपन करना होगा। इसके बाद आपको राइट साइट में गैस कंपनियों के गैस सिलेंडर की फोटो दिखाई देगी। जो भी आपका सर्विस प्रोवाइडर है उसके गैस सिलेंडर की फोटो पर टैप करें। अब जो विंडो ओपन होगी उसमें Give your feedback online पर क्लिक करें।

इसके बाद अगला पेज खुलेगा जहां आपको सिलेंडर के निशान पर क्लिक करना होगा। इसके बाद अगले पेज पर 'Subsidy Related (PAHAL) पर क्लिक करने पर आपको राइट साइड में 3 ऑप्शन मिलेंगे। इसमें 'Subsidy not received' पर क्लिक करने पर अगला पेज खुलेगा जहां आपको अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या LPG आईडी भर कर सबमिट करना होगा। इसके बाद पिछले 5 सिलेंडर के लिए आपने कितने रुपए चुकाए हैं और आपको कितना पैसा मिला है, ये सामने आ जाएगा।। अगर आपको सब्सिडी नहीं मिली है तो आप 'select' ऑप्शन पर क्लिक करके नीचे अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।